बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

गाजियाबाद में मात्र
रू0 6.5 लाख
(छः लाख पचास हजार)
में मकान खरीदने हेतु
सम्पर्क करें
मो0 9868944025
लोन सुविधा उपलब्ध है

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 142 | सोमवार 11 सितम्बर 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

'महिला मर्जी से साथ थी', भीलवाड़ा में महिला के अपहरण और गैंगरेप में आया नया मोड़

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के थाना गंगापुर में महिला के अपहरण और गैंगरेप घटना झूंठी पाई गई है। महिला खुद अपनी मर्जी से आरोपियों के साथ थी। राजस्थान पुलिस ने जांच के दाब यह दावा किया है। पुलिस के अनुसार झामपुरा चौराहा के पास आमली रोड पर निर्वस्त्र औरत के चिल्लाने की 9 सितम्बर की रात 8-40 पीएम पर मिली सूचना।तत्काल मौके पर पहुंची पुलिस को महिला ने बताया कि 8 बजे के करीब उसका हुआ किडनैप और एक खंडहर बिल्डिंग में उसके साथ गैंग रेप हुआ है। इस पर पीड़िता को मेडिकल और इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। मौके पर एफएसएल भी बुलाई गई।

पुलिस को फ़ोन पर हुई वॉइस रिकॉर्डिंग मिली

पुलिस का कहना है कि मौके पर मिला पीड़िता का मोबाइल फ़ोन, जिसमे आरोपीयो से फ़ोन पर हुई वॉइस रिकॉर्डिंग भी मिल गई है। संपूर्ण जांच से पता चली सही घटना है। उड़ीसा निवासी 25 वर्षीय पीड़िता की 6 वर्ष पूर्व दलाल के माध्यम से 50 वर्ष के विकलांग से शादी हुई। छोटु सरगरा निवासी आमली गंगापुर ने 7 बजे से 7.51 बजे तक पीड़िता से मोबाइल पर बात कर आने के लिए कहा। रुपये में बात तय हुई। छोटू बाईक पर पीड़िता को बैठाकर लाया और रास्ते में गिरधारी भी उसी बाईक पर पीछे बैठ गया। दोनों ने उसे आमली रोड पर रोड किनारे बने खण्डहर में ले जाकर बारी बारी से शारीरिक संबंध बनाए।

पति के डर से गलत तथ्य बताए

पुलिस के अनुसार गिरधारी पीड़िता का पूर्व परिचित है। उसे रात भर रखने की जिद करने से डर कर निर्वस्त्र ही भागकर सड़क किनारे आई। राहगीरों ने शाल देकर थाने फ़ोन किया। पुलिस दावा है कि महिला ने आरम्भ में पति के डर से ग़लत तथ्य बताए। मौके से भागे दोनों आरोपियों को पुलिस ने डिटेन कर लिया है। पुलिस के अनुसार महिला ने प्रारम्भ में गलत तथ्य इसलिए बताये कि सही तथ्य पता चलने पर उसका पति उसे छोड़ देगा।

पीएम मोदी ने जो बाइडेन से कराया नीतीश कुमार का परिचय, खुद जारी की तस्वीरें

एक तस्वीर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन का परिचय कराते दिख रहे हैं। एक तस्वीर में सुखविंदर सिंह सुक्खू भी दिख रहे हैं।

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन का आज दूसरा दिन है। शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने डिनर का आयोजन किया था, जिसमें कई राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र सरकार के मंत्री सहित कई बड़े अधिकारी शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से कुछ तस्वीर जारी की है, जिसमें वह अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुख्यमंत्रियों का परिचय करवाता दिख रहे हैं। इन तस्वीरों में ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथोनी अल्बनीस, इंडोनेशियाई राष्ट्रपति जोको विडोडो भी दिख रहे हैं।

एक तस्वीर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन का परिचय कराते दिख रहे हैं। एक तस्वीर में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी दिख रहे हैं। आपको बता दें कि राष्ट्रपति डिनर में शामिल होने वाले कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों में सुक्खू इकलौते हैं।

महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए राजघाट पहुंचे जी20 नेता

● एक तस्वीर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन का परिचय कराते दिख रहे हैं। एक तस्वीर में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी दिख रहे हैं। आपको बता दें कि राष्ट्रपति डिनर में शामिल होने वाले कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों में सुक्खू इकलौते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार सुबह राजघाट पर जी20 नेताओं की अगवानी की, जहां वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। राष्ट्रीय राजधानी में भारी बारिश के कारण राजघाट पर जलजमाव हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सेन लूंग सबसे पहले राजघाट पहुंचने वाले नेताओं में शामिल थे।

पीएम मोदी ने जी20 नेताओं को 'अंगरखा' पहनाकर उनका स्वागत किया। इस दौरान, पृष्ठभूमि में 'बापू कुटी' का चित्र दिखाई दिया। महाराष्ट्र में वर्धा के पास सेवाग्राम आश्रम में स्थित 'बापू कुटी' 1936 से लेकर 1948 में महात्मा गांधी की मृत्यु तक उनका निवास स्थान था। प्रधानमंत्री जी20 नेताओं को 'बापू कुटी' के महत्व के बारे में समझाते नजर आए। महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के बाद जी20 नेता 'लीडर्स लाउंज' में 'शांति दीवार' पर हस्ताक्षर भी करेंगे।

'इंडिया का नाम बदलकर भारत रखा जाएगा'

विदेशियों की मूर्तियां हटाई जाएंगी', बंगाल भाजपा नेता का दावा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ भाजपा नेता दिलीप घोष ने रविवार को दावा किया कि इंडिया का नाम बदलकर भारत कर दिया जाएगा। इसके साथ ही कोलकाता में विदेशियों की मूर्तियां भी हटा दी जाएंगी। मेदिनीपुर से सांसद ने कहा कि जो लोग नाम बदलने के खिलाफ हैं, वे देश छोड़ सकते हैं।

अपने निर्वाचन क्षेत्र के खड़गपुर शहर में चाय पर चर्चा कार्यक्रम में बोलते हुए भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने कहा कि जब हमारी पार्टी पश्चिम बंगाल में सत्ता में आएगी, तो हम कोलकाता में विदेशियों की सभी मूर्तियां हटा देंगे। इंडिया का नाम बदलकर भारत कर दिया जाएगा। जिन्हें यह पसंद नहीं है, वे देश छोड़ने के लिए स्वतंत्र हैं।

राज्य के एक अन्य वरिष्ठ भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने कहा कि एक देश के दो नाम नहीं हो सकते और यह नाम बदलने का सही समय है, क्योंकि विश्व नेता जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए नई दिल्ली में मौजूद हैं।

तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता शांतनु सेन ने आरोप लगाया कि भाजपा वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है, क्योंकि वह विपक्षी गठबंधन गठबंधन से डरती है। इससे पहले अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा से मुकाबला करने के लिए कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों ने INDIA गठबंधन बनाया है।

यूक्रेन पर सहमति बनाने में लगे 200 घंटे

आईएएस अधिकारी ने बताई जी20 डिक्लेरेशन की कहानी

नई दिल्ली। भारत के जी20 शेरपा अमिताभ कांत ने रविवार को कहा कि यहां 'लीडर्स समिट' में अपनाए गए 'जी20 डिक्लेरेशन' (घोषणापत्र) पर आम सहमति बनाने के लिए भारतीय राजनयिकों के एक दल ने 200 घंटे से भी अधिक समय तक लगातार बातचीत की। संयुक्त सचिव ई गंभीर और के नागराज नायडू समेत राजनयिकों के एक दल ने 300 द्विपक्षीय बैठकें कीं और 'जी20 लीडर्स समिट' के पहले दिन ही सर्वसम्मति बनाने के लिए विवादास्पद यूक्रेन संघर्ष पर अपने समकक्षों को 15 मसौदे वितरित किए। अमिताभ कांत ने कहा, पूरे जी20 शिखर सम्मेलन का सबसे जटिल हिस्सा भूराजनीतिक पैराग्राफ (रूस-यूक्रेन) पर आम सहमति बनाना था। यह 200 घंटे से अधिक समय तक लगातार बातचीत, 300 द्विपक्षीय बैठकों, 15 मसौदों के साथ किया गया। उन्होंने कहा कि इस प्रयास में नायडू और गंभीर ने उनका काफी सहयोग किया। भारत इस विवादित मुद्दे पर जी20 देशों के बीच अभूतपूर्व आम सहमति बनाने में कामयाब रहा और उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं जैसे कि ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और इंडोनेशिया ने इसमें अग्रणी भूमिका निभाई।

जी-20 में भारत के बढ़ते कद से थरूर गदगद, इस IAS अधिकारी को बताया हीरो

जी20 लीडर्स डिक्लेरेशन में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण का उल्लेख करने से बचा गया और इसके बजाय सभी देशों से एक-दूसरे की क्षेत्रीय अखंडता एवं संप्रभुत्ता के सिद्धांतों का सम्मान करने का आह्वान किया गया। घोषणापत्र में कहा गया है, हम सभी देशों से क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता, अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून एवं शांति तथा स्थिरता की रक्षा करने वाली बहुपक्षीय प्रणाली सहित अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों को बनाए रखने का आह्वान करते हैं।

ऋषि सुनक ने अक्षरधाम मंदिर में पूजा अर्चना की

नयी दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने आए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋ षि सुनक ने रविवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच यहां प्रसिद्ध अक्षरधाम मंदिर आकर दर्शन किये।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री के साथ उनकी पत्नी श्रीमती अक्षता मूर्ति भी साथ आयीं थीं। मंदिर पहुंचने पर वहां के पुजारियों ने उनका स्वागत किया। मंदिर में सुनक दंपति ने भगवान स्वामीनारायण की पूजा भी की।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों के साथ राजघाट गये थे और वहां अहिंसा के सबसे बड़े शांतिदूत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इसके बाद श्री सुनक अपनी पत्नी के साथ अक्षरधाम मंदिर पहुंचे। श्री सुनक शुक्रवार दोपहर नयी दिल्ली पहुंचे थे। पहले दिन उन्होंने यहां अपने प्रधानमंत्री निवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक की थी। उन्होंने शनिवार को यहां भारत मंडपम में जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लिया और वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित रात्रिभोज में भी शामिल हुए।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री के साथ उनकी पत्नी श्रीमती अक्षता मूर्ति भी साथ आयीं थीं। मंदिर पहुंचने पर वहां के पुजारियों ने उनका स्वागत किया। मंदिर में सुनक दंपति ने भगवान स्वामीनारायण की पूजा भी की।

जी-20 समिट के बीच भारत मंडपम के पास बड़ी घटना, भैरव मंदिर के बाहर लगी आग

नई दिल्ली। दिल्ली में चल रहे जी20 समिट स्थल भारत मंडपम के पास आग लगने की घटना सामने आई है। आग प्रगति मैदान के भैरव मंदिर के पास रविवार यानी आज सुबह लगी। आनन-फानन में फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया है। मौके पर कई दमकल गाड़ियां भेजी गई हैं।

दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारियों ने बताया कि अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में भैरव मंदिर के ठीक बाहर लगी आग पर काबू पा लिया है। घटना जी20 शिखर सम्मेलन स्थल भारत मंडपम से कुछ ही दूर पर हुई। आग लगने की सूचना स्थानीय लोगों ने सुबह करीब सात बजे अग्निशमन विभाग को दी थी, जिसके बाद अग्निशमन कर्मियों की एक टीम मौके पर पहुंची। आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया और किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

यह घटना भैरों मंदिर के गेट के बाहर हुई और बताया जा रहा है कि बिजली के तारों में आग लगने के कारण यह घटना हुई।

गौरतलब हो, राष्ट्रीय राजधानी हाई अलर्ट पर है। जी20 शिखर सम्मेलन का आज आखिरी दिन है और औपचारिक रूप से आज शाम को शिखर सम्मलेन समाप्त होगा। दुनिया भर के नेता कल से शुरू हुए दो दिवसीय हाई-प्रोफाइल शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। शिखर सम्मेलन के लिए दिल्ली पुलिस द्वारा यातायात प्रतिबंध लगाए गए हैं।

शनिवार की दरम्यानी रात शहर के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई जो रविवार सुबह तक जारी रही।भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अगले कुछ दिनों में और बारिश होने की उम्मीद है, जिससे राष्ट्रीय राजधानी में पिछले कुछ दिनों से जारी गर्म मौसम से राहत मिलेगी।

दिल्ली और यूपी में झमाझम बारिश, बिहार के लिए भी आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन का आज दूसरा दिन है। देश की राजधानी दिल्ली में दुनियाभर के कई दिग्गज नेताओं का जुटान है। इस बीच मौसम ने भी करवट ले ली है। शनिवार दोपहर से ही दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश हो रही है। बारिश का दौर उत्तर प्रदेश और बिहार में भी जारी है। मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि रविवार को भी देश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहेगा।

आपको बता दें कि गर्मी का सितम झेल रहे हरियाणा, पंजाब और राजस्थान के लोगों को राहत मिली है। शनिवार से इन राज्यों में अलग-अलग इलाकों में बारिश हो रही है। बिहार के 18 जिलों में भी अलर्ट जारी किया गया था। महाराष्ट्र का भी कमोबेश यही हाल है। उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्य को अलगे 4 दिनों के लिए अलर्ट किया गया है। पहाड़ों पर भारी बारिश के आसार बन रहे हैं।

आईएमडी ने अपने पूर्वानुमान में बताया है कि मानसून का एक ट्रफ गुजरात, राजस?थान के ऊपर बना हुआ है। इसके अलावा दक्षिण पूर्व मध्य प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों पर चक्रवाती परिसंचरण बनी हुई है। यह दक्षिण की ओर झुकी हुई है। इसके कारण, अगले 24 घंटों के दौरान मध?य प्रदेश और बिहार के कुछ जिलों में भारी बारिश हो सकती है।

दिल्ली में बारिश, अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस दर्ज

दिल्ली में शनिवार को हल्की बारिश हुई, जिसके परिणामस्वरूप अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम 32 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री कम है। राष्ट्रीय राजधानी में सुबह 8.30 बजे समाप्त 24 घंटों में 10 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग कार्यालय ने कहा कि सापेक्षिक आर्द्रता 87 प्रतिशत से 98 प्रतिशत के बीच रही। मौसम विभाग ने रविवार को आमतौर पर बादल छाए रहने और हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने का अनुमान जताया है।

जैसलमेर में रिकॉर्डतोड़ गर्मी, पारा 43.5 डिग्री सेल्सियस तक चढ़ा

राजस्थान के अनेक इलाकों में भादो के महीने में जबरदस्त गर्मी पड़ रही है । शनिवार को जैसलमेर में अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस रहा जो सितंबर में अब तक का रिकॉर्ड है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार शनिवार को सीमावर्ती जैसलमेर में अधिकतम तापमान सामान्य से 6.9 डिग्री सेल्सियस अधिक, 43.5 डिग्री सेल्सियस रहा। जैसलमेर में यह सितंबर का अब तक का सर्वाधिक तापमान भी है।

स्वाधीनता संग्राम का बीज मंत्र- 'भारत' माता की जय, तब बहस क्यों

हृदयनारायण दीक्षित

भारत नाम वैसा ही है। भारत का एक भूगोल है, रूप है। इस रूप में पवित्र नदियों का प्रवाह है। आकाश छूने को व्याकुल पहाड़ हैं। दिव्य और भव्य मंदिर हैं। हजारों वर्षों में फैला इतिहास है। अद्वैत दर्शन का जन्म यहीं हुआ। पूर्व मीमांसा, न्याय व वैशेषिकदर्शन का विकास यहीं हुआ और लोकायत का भी। यहां विश्ववरेण्य संस्कृति है। अनेक भाषाएं हैं। अनेक बोलियां हैं। दुनिया की सबसे अनुशासित और रसपूर्ण भाषा संस्कृत का विकास यहीं हुआ। यहां के लोगों का मन भारत की आत्मीयता में रमता है। भारत तमाम संभावनाओं से भरा पूरा एक बीज है। सभी बीजों में पौध होने, पौध में पत्तियां उगने, पत्तियों में फूल खिलने और फूलों से बीज बनने की अनंत संभावनाएं होती हैं। भारतीय इतिहास में श्रेय और प्रेय की प्राप्ति के अनुकरणीय उदाहरण हैं। ऐसे राष्ट्र देवता और उसके नाम को स्मरण रखना हम सबका कर्तव्य है।

देश के नाम को लेकर अच्छी खासी बहस चल पड़ी है। भारत अति प्राचीन नाम है। इस नामकरण के पीछे अनेक कथाएं भी चलती हैं। संविधान सभा में 18 सितंबर, 1949 के दिन बहस हुई थी। हरिविष्णु कामथ ने भारत, हिन्दुस्तान, हिन्द भरत भूमि और भारतवर्ष आदि नाम का सुझाव देते हुए दुष्यंत पुत्र भरत की कथा से भारत का उल्लेख किया। मद्रास के केएस सुब्बाराव ने भारत को प्राचीन नाम बताया और कहा कि, 'भारत नाम ऋग्वेद में भी है।' कमलापति त्रिपाठी ने भी भारत के पक्ष में वैदिक और पौराणिक तर्क दिए। स्वाधीनता संग्राम के समय 'भारत माता की जय' पूरे देश का बीज मंत्र बना था। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' में चीनी यात्री ईतिसिंग द्वारा देश को भारत कहे जाने का उल्लेख किया है। भारत दुनिया का प्राचीनतम राष्ट्र है। राजनैतिक दृष्टि से भारत एक राष्ट्र राज्य है। लेकिन सांस्कृतिक अनुभूति में यह भारत माता है। भारत एक सांस्कृतिक प्रवाह है। एक सतत प्रवाहमान कविता। विश्व कल्याण में तत्पर एक संपूर्ण जीवन दृष्टि। भारत एक विशेष प्रकार की एकात्म प्रकृति है। हजारों वर्ष पुराने इतिहास में भारत ने कभी भी दूसरे देश पर आक्रमण नहीं किया। भारत का अर्थ ही प्रकाश सलंग्नता है। भा का अर्थ प्रकाश और रत का अर्थ सलंग्नता। भारत परम व्योम से धरती में प्रवाहित एक गुनगुनाने योग्य कविता- ऋचा है।

ऋग्वेद के प्रतिष्ठित ऋषि विश्वामित्र गायत्री मंत्र के नाम से चर्चित 'तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात' के दृष्टा रचयिता हैं। ऋग्वेद में उनके बारे में कहा गया है, 'विश्वामित्र के देखे रचे मंत्र सूक्त भारत के जनों की रक्षा करते हैं- विश्वामित्रस्य रक्षति ब्रह्मदं भारतं जनं।' ऋग्वेद वाले विश्वामित्र मंत्र दृष्टा हैं। राम कथा वाले विश्वामित्र राक्षसों का वध कराने वाले हैं। शकुंतला विश्वामित्र की पुत्री थीं। शकुंतला और दुष्यंत के प्रेम से इतिहास प्रसिद्ध भरत का जन्म हुआ। महाभारत (शान्ति पर्व 2.96) के अनुसार इन्हीं भरत के नाम पर इस देश का नाम भारतवर्ष पड़ा। संजय ने धृतराष्ट्र को बताया, 'अत्र ते वर्णयिष्यामि वर्षं भारत भारतम् - आपको भारतवर्ष का वर्णन सुनाता हूं। आगे बताया गया कि यह देश इन्द्र, वैवस्वतमनु, ययाति, अम्ब्रीश, मुचकुन्द, शिवि आदि सबको प्रिय रहा है। (भीष्म पर्व नवां अध्याय) ऋग्वेद के रचनाकाल में आर्य जनों और गणों में विभाजित थे। ऋग्वेद में भरत जन हैं।

भरतों की विशिष्ट इतिहास परम्परा है। यज्ञ की अग्नि से उनका संपर्क था। भारत कहने से अग्नि का ध्यान होता था। भारत अग्नि का विशेषण बन गया था - त्वं नो असि भारता अग्ने। (2.7.5) भरत और भारत ऋग्वेद में हैं। वैदिक मंत्रों की रचना और गायन के कारण ऋषियों की वाणी को भारती कहा गया। मंत्रों का गायन सरस्वती के तट पर होता था। अग्नि की स्थापना इन्हीं ऋषियों ने की थी। एक मंत्र (3.28) के रचनाकार देवश्रवा और देववात भारत हैं। कहते हैं कि, 'भरत के पुत्र देवश्रवा और देववात भारत ने अग्नि को मंथन द्वारा उत्पन्न किया है। इस मंत्र में ऋषि नाम के साथ भारत जुड़ा हुआ है।' वैदिक इंडेक्स में मैकडनल और कीथ ने ऋग्वेद के उद्धरण देकर भरतों का उल्लेख किया है। संभवतः दुष्यंत पुत्र भरत के कारण ही देश का नाम भारत हुआ। भरतजनों का सजग इतिहासबोध भी भारत नाम पड़ने का कारक हो सकता है। ऋषभ देव की परम्परा में भी भरत हैं। कुछ विद्वान उन्हें भी भारत के नामकरण से जोड़ते हैं। जो भी हो भारत अतिप्राचीन संज्ञा है, इस देश का नाम है।

पुराणों में भी भारत नाम की प्रतिष्ठा है। विष्णु पुराण के ऋषि कहते हैं कि, 'समुद्र के उत्तर में और हिमालय के दक्षिण में जो देश है उसे भारत कहते हैं तथा उसकी संतानों (नागरिकों) को भारती कहते हैं - 'उत्तरं यत् समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम्। वर्षं तद् भारतं नाम भारती यत्र सन्ततिः।' गीता में अनेक प्रसंगों में श्रीकृष्ण अर्जुन को भारत कहते हैं। भारतवासी होना सौभाग्य का विषय है। दुनिया की सभी प्राचीन सभ्यताओं में देवता हैं। उन्हें दिव्य जाना गया है। उनकी उपासना होती है। वे भारत भूमि में जन्म लेने की इच्छा व्यक्त करते हैं। एक सुन्दर श्लोक में कहा गया है, 'देवतागण भारत देश के उत्कर्ष का गान करते हुए यहां पर स्वयं जन्म लेने की इच्छा प्रकट करते हैं झ गायन्ति देवाः किल गीतिकानि धन्यास्तु ते भारतभूमिभागे। स्वर्गापवर्गास्पदहेतुभूत भवन्ति भूयः पुरुषाः सुरत्वात।' भारत निवासी घर परिवार के सभी अनुष्ठानों में संकल्प मंत्र का पाठ करते हैं। संकल्प मंत्र में 'जम्बूद्वीपे भारतखण्डे' शब्द का प्रयोग हुआ है। राष्ट्रगीत वन्दे मातरम भारत भक्ति का ही गीत है। इसी तरह राष्ट्रगान भी।

कुछ विद्वान नाम को महत्वपूर्ण नहीं मानते। अपनी बात के समर्थन में शेक्सपियर का उल्लेख करते हैं कि 'नाम में क्या रखा है?' नाटक की नायिका जूलिएट ने प्रेमी रोमियो से कहा था कि, 'तुम अपना कुल नाम लिखते हो। यह निरर्थक है। तुम रोमियो हो। मैं तुमसे प्रेम करती हूं। गुलाब को गुलाब कहा जाए या किसी और नाम से पुकारा जाए। नाम से कोई फर्क नहीं पड़ता।' लेकिन यह बात सही नहीं है। तुलसीदास ने नाम की महिमा बताई है। रामचरितमानस बालकाण्ड में तुलसीदास ने श्रीराम सहित सभी देवताओं को नमस्कार किया है। आखिर में कहा है कि मैं श्रीराम के नाम को नमस्कार करता हूं। यह नाम महामंत्र है। कहते हैं, 'कोई विशेष रूप भी बिना नाम के नहीं पहचाना जा सकता। रूप के बिना नाम का स्मरण करने से विशेष प्रेम के साथ वह हृदय में बैठ जाता है।' एक सुन्दर चैपाई में कहते हैं, 'नाम रूप गति अकथ कहानी/समझत सुखद न परहि बखानी।'

भारत नाम वैसा ही है। भारत का एक भूगोल है, रूप है। इस रूप में पवित्र नदियों का प्रवाह है। आकाश छूने को व्याकुल पहाड़ हैं। दिव्य और भव्य मंदिर हैं। हजारों वर्षों में फैला इतिहास है। अद्वैत दर्शन का जन्म यहीं हुआ। पूर्व मीमांसा, न्याय व वैशेषिकदर्शन का विकास यहीं हुआ और लोकायत का भी। यहां विश्ववरेण्य संस्कृति है। अनेक भाषाएं हैं। अनेक बोलियां हैं। दुनिया की सबसे अनुशासित और रसपूर्ण भाषा संस्कृत का विकास यहीं हुआ। यहां के लोगों का मन भारत की आत्मीयता में रमता है। भारत तमाम संभावनाओं से भरा पूरा एक बीज है। सभी बीजों में पौध होने, पौध में पत्तियां उगने, पत्तियों में फूल खिलने और फूलों से बीज बनने की अनंत संभावनाएं होती हैं। भारतीय इतिहास में श्रेय और प्रेय की प्राप्ति के अनुकरणीय उदाहरण हैं। ऐसे राष्ट्र देवता और उसके नाम को स्मरण रखना हम सबका कर्तव्य है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

संपादकीय

हास्यास्पद विचार

हिमाचल प्रदेश के मंड़ी स्थिति भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के निदेशक लक्ष्मीधर बेहरा ने बेहद विवादित बयान दिया है। बेहरा ने कहा पशुओं पर क्रूरता के कारण प्रदेश में भूस्खलन व बादल फटने की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने छात्रों से आह्वान करते हुए दावा किया कि अगर हम ऐसा करते रहे तो प्रदेश में और गिरावट आएगी। आप वहां जानवरों को मार रहे हैं, खासकर निर्दोष जानवरों को। इसका पर्यावरण क्षरण के साथ ही सहजीवी संबंध भी है। बार-बार भू-स्खलन, बादल फटना और कई चीजें होने को उन्होंने इससे जोड़ा। उनके अनुसार ये सभी पशुओं पर क्रूरता का प्रभाव है। सोशल मीड़िया पर इस बयान पर विवाद खड़ा हो गया।

तमाम इंजीनियर व आईआईटी के प्रोफेसरों ने इसे बेबुनियादी तर्क कहते हुए खारिज किया। बीते साल भी बेहरा के दावे पर काफी मसखरी की गई थी। उनके यह कहने पर कि मंत्रों के जाप से बुरी आत्माओं से छुटकारा मिलता है। यह उन्होंने अपने दोस्त व उसके परिवार के साथ करके देखा है। शिक्षित होने के बावजूद धार्मिक आडंबरों व रूढ़ियों के दबाव में रहने वाले परिवारों के बच्चे अकसर इस तरह की बातें करते हैं। मगर उच्चतम शैक्षणिक संस्धान के प्रतिशिष्ठित पद पर बैठे शिक्षक की ये बातें न केवल हास्यास्पद कही जाएंगी बल्कि उनके ज्ञान पर भी संदेह व्यक्त किया जाएगा। इस तरह की दकियानूसी बातें करके वे न केवल अपनी बल्कि वैश्विक पटल पर देश की छवि भी धूमिल कर रहे हैं। दुनिया का बहुत बड़ा वर्ग मांसाहारी है। अपने ही देश की सत्तर फीसद आबादी पारंपरिक तौर पर मांसादि खाती है। फिर उसका असर बेहरा को केवल उक्त प्रदेश पर ही कैसे नजर आया? तर्कहीन बातें करना और निजी विचारों के चश्मे से समूचे समाज को व्याख्यायित करना छिछली सोच का नतीजा है। ऐसे अध्यापकों से यह उम्मीद रखना ही बेमानी है कि वे अपने छात्रों को सर्व वर्गों का सम्मान व मानवता का पाठ पढ़ाएंगे। राज्य व केंद्र सरकारइस तरह के बे-सिर पैर के बयानों पर उन्हें दंड़ित करे और सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने को कहे। उन्हें ऐसे किसी अध्ययन का जिम्मा देकर शोध कराया जाए, जिसके नतीजों से उनका और दुनिया भर का लाभ हो सकता है।

चिंतन-मनन

ज्ञेय और ज्ञान का संबंध

दर्शन के क्षेत्र में ज्ञान और ज्ञेय की मीमांसा चिरकाल से होती रही है। आदर्शवादी और विज्ञानवादी दर्शन ज्ञेय की स्वतंत्र सत्ता स्वीकार नहीं करते। वे केवल ज्ञान की ही सत्ता को मान्य करते हैं। अनेकांत का मूल आधार यह है कि ज्ञान की भांति ज्ञेय की भी स्वतंत्र सत्ता है। द्रव्य ज्ञान के द्वारा जाना जाता है, इसलिए वह ज्ञेय है। ज्ञेय चैतन्य के द्वारा जाना जाता है, इसलिए वह ज्ञान है। ज्ञेय और ज्ञान अन्योन्याश्रित नहीं हैं। ज्ञेय है, इसलिए ज्ञान है और ज्ञान है इसलिए ज्ञेय है, इस प्रकार यदि एक के होने पर दूसरे का होना सिद्ध हो तो ज्ञेय और ज्ञान दोनों की स्वतंत्र सत्ता सिद्ध नहीं हो सकती। द्रव्य का होना ज्ञान पर निर्भर नहीं है और ज्ञान का होना द्रव्य पर निर्भर नहीं है। इसलिए द्रव्य और ज्ञान दोनों स्वतंत्र हैं। ज्ञान के द्वारा द्रव्य जाना जाता है, इसलिए उनमें ज्ञेय और ज्ञान का संबंध है। ज्ञेय अनंत है और ज्ञान भी अनंत है। अनंत को अनंत के द्वारा जाना जा सकता है। जानने का अगला पर्याय है कहना। अनंत को जाना जा सकता है, कहा नहीं जा सकता। कहने की शक्ति बहुत सीमित है। जिसका ज्ञान अनावृत्त होता है, वह भी उतना ही कह सकता है जितना कोई दूसरा कह सकता है। भाषा की क्षमता ही ऐसी है कि उसके द्वारा एक बार में एक साथ एक ही शब्द कहा जा सकता है।

हमारे ज्ञान की क्षमता भी ऐसी है कि हम अनंतधर्मा द्रव्य को नहीं जान सकते। हम अनंत-धर्मात्मक द्रव्य के एक धर्म को जानते हैं और एक ही धर्म का प्रतिपादन करते हैं। एक धर्म को जानना और एक धर्म को कहना नय है। यह अनेकांत और स्याद्वाद का मौलिक स्वरूप है। उनका दूसरा स्वरूप है प्रमाण। अनंत-धर्मात्मक द्रव्य को जानना और उसका प्रतिपादन करना प्रमाण है। हम अनंतधर्मा द्रव्य को किसी एक धर्म के माध्यम से जानते हैं। इसमें मुख्य और गौण दो दृष्टिकोण होते हैं। द्रव्य के अनंत धर्मों में से कोई एक धर्म मुख्य हो जाता है और शेष धर्म गौण। नय हमारी वह ज्ञान-पद्धति है, जिसमें हम केवल धर्म को जानते हैं, धर्मो को नहीं जानते। प्रमाण हमारी वह ज्ञान-पद्धति है, जिससे हम एक धर्म के माध्यम से समग्र धर्मो को जानते हैं।

जी-20 का शिखर सम्मेलन बनाम पर उपदेश कुशल बहुतेरे

सनत जैन

जी-20 के शिखर सम्मेलन में भारत को घोषणा पत्र के एजेंडा को बनाने में सफलता हासिल हुई है। सर्वसम्मति से सभी 83 बिंदुओं पर घोषणा पत्र पर सहमति बना ली गई है। अफ्रीकी यूनियन को जी 20 का नया सदस्य बनाया गया है। वैश्विक पर्यावरण के लिए एक नया एलाइंस बनाने पर सहमति हो गई है। भारत जी -20 के शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहा है। घोषणा पत्र को लेकर सदस्य देशों के बीच में जो विवाद था।भारत के कूटनीतिक और व्यापारिक संबंधों का उपयोग करते हुए जो प्रयास किए। उसमें भारत को सफलता हासिल हुई। सभी 83 बिंदुओं पर सहमति बना ली गई। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने, यूक्रेन युद्ध के स्थान पर सारी दुनिया में स्थाई शांति का प्रस्ताव लाकर सहमति बनाई। वहीं परमाणु युद्ध की धमकी के मामले में रूस के राष्ट्रपति पुतिन द्वारा कहे गए शब्द, यह युद्ध का काल नहीं है। इसका उपयोग करते हुए परमाणु हमले को रोकने के लिए सहमति बनाई गई। भारत ने जी-20 देश की बैठक में चंद्रयान-3 मिशन के लिए भी भारत के लिए बधाई हासिल कर ली। यह भारत की सफलता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करते हुए, दूसरे देश की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता एवं अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानूनो का पालन करने का प्रस्ताव शामिल किया। निश्चित रूप से जी-20 के शिखर सम्मेलन में जो प्रस्ताव शामिल किए गए हैं उनमें केवल चर्चा नही होनी चाहिए, सम्मेलन में जो निर्णय लिए जाए उनका अक्षरस पालन करने की जिम्मेदारी भी सदस्य देशों की होनी चाहिए। तभी इस तरीके की बैठको और सम्मेलन की सार्थकता होगी।

ऋ20 की बैठक में व्यक्तियों के अधिकार,धार्मिक प्रतीकों, पवित्र पुस्तकों के विरुद्ध दुष्प्रचार का विरोध करते हुए यह कहा गया है की सारी दुनिया के देश, धर्म, आस्था और विश्वास स्वतंत्रता में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण ढंग से सभा करने का अधिकार, एक दूसरे पर आश्रित सामाजिक संबंधों को मजबूत करने, धर्म या आस्था के आधार पर सभी प्रकार की अशुद्धता और भेदभाव के विरुद्ध लड़ाई में सभी देशों की भूमिका होनी चाहिए। आतंकवाद को लेकर भी घोषणा पत्र में कहा गया है, कि सभी धर्म की प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हुए आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की जाए। अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए इसे सबसे गंभीर खतरा बताया गया है। घोषणा पत्र के अनुसार एक समग्र दृष्टिकोण और एक अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने की बात कही गई है। आतंकवादी समूह की सुरक्षित पनाहगाह, आतंकवाद गतिविधियां संचालन की स्वतंत्रता, बिना रोकटोक आवाजाही, उनके वित्तीय और भौतिक मदद को रोकने के लिए भी प्रस्ताव में चर्चा होगी। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की भावना और निर्णय को प्रभावशाली ढंग से लागू किया जाए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकासशील एवं गरीब देश के हितों को लेकर भी चचाएं होंगी। बैठक में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों की भूमिका को लेकर भीॅ20 के शिखर सम्मेलन में चर्चा होगी।ॅ20 का यह पहला शिखर सम्मेलन नहीं है, जी-20 के सम्मेलन में इसी तरह के निर्णय पहले भी लिए जा चुके हैं। यह सब कागजों और घोषणाओं तक सीमित रहते हैं। आम सहमति बनती है, लेकिन इसका कोई क्रियान्वय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होता हो।ऐसा दिखता नहीं है।सारी दुनिया के देशों में जिस तरह से युद्ध का माहौल देखने के लिए मिल रहा है। व्यापारिक प्रतिस्पर्धा और कर्ज की अर्थ व्यवस्था को लेकर सारी दुनिया के देशों के बीच मतभेद बढ़ते ही जा रहे हैं। पर्यावरण की दृष्टि से सारी दुनिया के देश विशेष रूप से गरीब और विकासशील देशों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। विकसित राष्ट्र लगातार कई दशकों से पर्यावरण को लेकर जो प्रस्ताव और कानून अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तैयार किए गए। उसका पालन नहीं किया गया। इसका खामियाजा गरीब और विकासशील देशों को लंबे समय से उठाना पड़ रहा है। चिंता जताना अलग बात है, उन चिंताओं का समाधान होना अलग बात है ।संयुक्त राष्ट्र संघ और अंतरराष्ट्रीय स्तर की सभी संस्थाओं के होते हुए भी पिछले एक वर्ष से ज्यादा समय से यूक्रेन और रूस के बीच में युद्ध चल रहा है। इन सभी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की कोई कारगर भूमिका साबित नहीं हुई है। समरथ को नहीं दोष गुसाईं की तर्ज पर समर्थ देश अपनी मनमानी कर रहे हैं। उसको रोकने का प्रयास और साहस अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं मैं नहीं दिखा।

नाही समर्थ देशों ने उनकी परवाह की। जिसके कारण एक बार फिर प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध जैसे हालात, दुनिया के सभी देशों के बीच में देखने को मिलाने लगे हैं। जी-20 का यह शिखर सम्मेलन एक सार्थक ,सफल सम्मेलन के रूप में दुनिया में एक इतिहास बनाये। जिन विषयों को शामिल किए गया है। उनमें जो भी निर्णय लिए जाएं, उनका पालन सभी देश पूरी ईमानदारी के साथ करें। दुनिया को एक नई दिशा और दशा इस शिखर सम्मेलन से मिले। यह सम्मेलन सारी दुनिया के लिए एक उपदेश की तरह ना हो। सभी देश लिए गए निर्णय का ईमानदारी के साथ पालन करें। सारी दुनिया के देशों में स्थाई शांति स्थापित हो। जियो और जीने दो के सिद्धांत पर आधारित सम्मेलन तभी सफल होगा और विश्व बंधुत्व की भावना सभी देशों के लिए हितकारी रूप में सामने आएगी।

जी-20 : सांस्कृतिक छाया में शिखर बैठक

प्रमोद भार्गव

दिल्ली में जी-20 सम्मेलन इस बार सनातन संस्कृति की छाया में होगा। इसी भाव को दृष्टि में रखते हुए शिखर सम्मेलन स्थल पर भगवान शिव की 28 फीट ऊंची 'नटराज' प्रतिमा को प्रतीक रूप में स्थापित किया गया है।

इस प्रतिमा में शिव के तीन प्रतीक-रूप परिलक्षित हैं। ये उनकी सृजन यानी कल्याण और संहार अर्थात विनाश की ब्रह्मांडीय शक्ति का प्रतीक हैं। अष्टधातु की यह प्रतिमा प्रगति मैदान में 'भारत मंडपम' के द्वार पर लगाई गई है।

इस प्रतिमा की आत्मा में सार्वभौमिक स्तर पर सर्व-कल्याण का संदेश अंतर्निहित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसी शात दर्शन से भारतीय संस्कृति के दो सनातन शब्द लेकर 'वसुधैव कुटुंबकम' के विचार को सम्मेलन शुरू होने के पूर्व प्रचारित करते हुए कहा है कि 'पूरी दुनिया एक परिवार है। यह ऐसा सर्वव्यापी और सर्वकालिक दृष्टिकोण है, जो हमें एक सार्वभौमिक परिवार के रूप में प्रगति करने के लिए प्रोत्साहित करता है। एक ऐसा परिवार जिसमें सीमा, भाषा और विचारधारा का कोई बंधन नहीं है। जी-20 की भारत की अध्यक्षता के दौरान यह विचार मानव केंद्रित प्रगति के आह्वान के रूप में प्रकट हुआ है। हम एक धरती के रूप में मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक साथ आ रहे हैं, जिससे सब एक-दूसरे के सहयोगी बने रहें और समान एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए एक साथ आगे बढ़ते रहें।' विश्व कल्याण का यह विचार आज तक किसी अन्य देश के राष्ट्र प्रमुख ने नहीं दिया। क्योंकि ये देश असामनता के संदर्भ में ही अपने पूंजीवादी, बाजारवादी और उपभोक्तावादी एजेंडे को आगे बढ़ाते रहे हैं। पश्चिमी देशों द्वारा हथियारों का उत्पादन और फिर उनके खपाने का प्रबंध कई देशों की प्रत्यक्ष लड़ाई और देशों के भीतर ही धर्म और संस्कृति के अंतर्कलहों में हम देखते रहे हैं। अतएव विव्यापी भाईचारे के लिए वसुधैव कुटुंबकम् से उत्तम कोई दूसरा विचार हो ही नहीं सकता।

थोड़ा ठहरकर शिव के 'नटराज' रूप के प्रतीक रहस्यों को समझ लेते हैं। यह प्राचीन कथा स्कंद पुराण में मिलती है। यह शिव के थिलाई-वन में घूमने और इसी वन में ऋषियों के एक समूह के रहने से जुड़ी है। थिलाई वृक्ष की एक प्रजाति है, जिसका चितग्रमंदिर की प्राचीरों पर भी मिलता है। परिवार सहित रहने वाले ये ऋषि मानते थे कि मंत्रों की शक्ति से देवताओं को वश में किया जा सकता है। एक दिन शिव दिगम्बर रूप में अलौकिक सौंदर्य और आभा के साथ इस वन से गुजरे। शिव के इस मोहक रूप से ऋषि पत्नियां मोहित हो उठीं और यज्ञ एवं साधना से विचलित होकर शिव के पीछे दौड़ पड़ीं इस अप्रत्याशित घटनाक्रम से साधुगण क्रोधित हो उठे और उन्होंने मंत्रों का आह्वान कर शिव के पीछे विषैले सर्प छोड़ दिए। शिव ने सपरे को गहना मानकर एक को गले में, एक को शिखा पर और एक को कमर में धारण कर लिया। शिव का यह उपक्रम वन्य जीवों के संरक्षण द्योतक है। कलात्मक ढंग से जीने का सत्य-चित्त आनंद अर्थात सच्चिदानंद के साथ जीना ही श्रेस्यकर है। इन सब को शिव के वशीभूत देखा, तब ऋषि ईर को ही सत्य मानते हुए शिव के समक्ष समर्पण कर देते हैं। गोया इस प्रतीक में विश्व कल्याण का संदेश प्रकट है। इन्हीं संदेशों की कड़ी में भारतीय प्रधानमंत्री का मानना है कि कोविड महामारी ने विश्व व्यवस्था को बदल दिया है।

नतीजतन तीन महत्त्वपूर्ण परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। पहला; यह अनुभव हो रहा है कि दुनिया के जीडीपी केंद्रित दृष्टिकोण से हटकर मानव केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। दूसरा, दुनिया वैंकि सप्लाई चेन में सुदृढ़ता और विसनीयता के महत्त्व को पहचान रही है। तीसरा, वैंकि संस्थानों में सुधार के माध्यम से बहुपक्ष को बढ़ावा देना। ये प्रयोजन सिद्ध हो जाते हैं तो एक बड़ा वैंकि मानव समुदाय चैन की नींद सोने लायक हो जाएगा, लेकिन इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भी देश गुटों में विभाजित हैं, जबकि भारत विभिन्न पांच मुद्दों पर आम सहमति बनाने में जुटा है। इन मुद्दों में रूस-यूक्रेन युद्ध की समाप्ति, महंगाई पर नियंत्रण और खाद्य-आपूर्ति, ऊर्जा, हथियारों की होड़ और जलवायु परिवर्तन। भारत की कोशिश है कि इन पांच मुद्दों पर सम्मेलन के अंतिम दिन एक संयुक्त बयान जारी हो जाए इस पर सहमति बनने का दावा किया जा रहा है।

सिर्फ शिक्षा ही वह धन हैं जो बाँटने से कभी भी कम नहीं होता : राष्ट्रवादी चिंतक मुशरफ खान

संस्कार उजाला

आगरा। विश्व साक्षरता दिवस हर वर्ष 8 सितम्बर को मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने की घोषणा यूनेस्को द्वारा 7 नवंबर 1965 को की गई थी। इस प्रकार पहला अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 8 सितम्बर 1966 को मनाया गया। इसका उद्देश्य दुनियाभर में शिक्षा के महत्व को दशार्ने और निरक्षरता को समाप्त करना और लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक करना है। विश्व सारक्षता दिवस के अवसर पर राष्ट्रवादी समाजिक चिंतक एवं वरिष्ठ समाजसेवी मुशरफ खान ने कहा कि - 'पढ़ने लिखने का ज्ञान वो शक्ति हैं, जो सशक्त समाज व राष्ट्र का निर्माण करती हैं। साक्षरता की ताकत किसी भी घर, परिवार और समाज के साथ उस देश के सम्पूर्ण विकास की नींव को मजबूत करती हैं। साक्षरता ना केवल लोगों को बेहतर जीवन जीने में मदद करती हैं बल्कि गरीब की गरीबी मिटाने में भी मदद करती हैं। इसीलिए लोगों को साक्षर होने के और सामाजिक और मानव विकास के अपने अधिकारों को जानने की जरूरत के बारे में जागरूक होने की जरूरत हैं। क्युकी शिक्षा वह धन है, जिसे न तो बाँटा जा सकता है और न तो चुराया जा सकता है। शिक्षा बाँटने से कभी कम नहीं होती है। इसलिए सभी पढ़े सभी बढ़े। सिर्फ शिक्षा ही वह धन हैं, जो बाँटने से कभी भी

कम नहीं होता। शिक्षित होंगे सभी भारतीय जन तभी विकसित होगा हमारा वतन। इसलिए इस विश्व सारक्षता दिवस पर सभी भारतीय जन संकल्प लें कि राष्ट्रहित में नये भारत को जल्द पूर्ण साक्षर देश बनाएंगे। इसी कामना के साथ विश्व सारक्षता दिवस पर सभी देशबासियों को शुभकामनाएं। श्री खान साहब ने आगे कहा कि आइए इस बार विश्व साक्षरता दिवस पर नयी शुरूआत बताने या समझाने से नहीं, समझने से करते हैं। एक नई शुरूआत हम खुद से करते हैं और इस साक्षरता दिवस पर प्रण करते हैं कि हम हर बच्चे, बच्ची, महिला और व्यक्ति को साक्षर बनाने के लिए गरीब बस्तियों में जाकर शिक्षा की अलख जगाने का प्रयास करेंगे। क्युकी कोई जरूरी नहीं है,कि इसके लिए हमें कोई बड़े काम से शुरूआत करनी हो। क्युकी आहुतियां छोटी ही होती है, लेकिन यज्ञ का महत्व और उद्देश्य बड़ा होता है। ठीक वैसे ही हमारी छोटी-छोटी कोशिशें भी कई बार बड़ा आकार लेने में सक्षम होती हैं। इसलिए ज्ञान के प्रकाश से गरीब वंचित तबके को इस महत्वपूर्ण बात का एहसास कराएं कि शिक्षा प्राप्त करने की कोई उम्र नहीं होती। अगर हम आप अपने क्षेत्र के लोगों के साथ मिलकर कोई छोटा सा समूह बनाकर उसके स्कूल जाने की व्यवस्था जरूर कर सकते हैं। इतना ही नहीं अपना कुछ वक्त निकाल कर उन गरीब, पिछड़े क्षेत्रों व लोगों के बीच शिक्षा के महत्व को साझा भी कर सकते हैं। जहां शिक्षा से जरूरी, मजदूरी और ज्ञान से जरूरी भोजन होता है। इसलिए आप कम से कम मोदी सरकार की शिक्षा संबंधी योजनाओं की जानकारी तो बांट ही सकते हैं। जो आपके छोटे से प्रयास से अंधकारमय जीवन में एक नया दीपक जला सकती है। क्योंकि शिक्षा, रोजगार या पैसे से ज्यादा खुद के विकास के लिए बेहद जरूरी है। खास मायने में विश्व साक्षरता दिवस शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने और लोगों का ध्यान शिक्षा की तरफ आकर्षित करने के साथ ही उन्हें सही शिक्षा के संस्कार देना बेहद जरूरी है तथा शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं सभी भारतीयों युवाओं को चाहिए कि वे सिर्फ साक्षर ना बनें, बल्कि राष्ट्रहित में नये भारत के उज्वल भविष्य के प्रति संकल्पित होकर एक अच्छे देश के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

संक्षिप्त डायरी

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के बेटे ने पत्नी संग देखा ताज

संस्कार उजाला

आगरा। ताज की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षिक कर लेती है। फिर चाहे दूरी सात समंदर ही क्यों न हो। ताजमहल की एक झलक पाते ही उसके असीम संगमरमरी हुस्न का हर कोई दीवाना हो जाता है। सुबह इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के पुत्र कोसेंग पंगारेप अपनी पत्नी के साथ ताजमहल देखने पहुंचे। सुबह से ही मौसम खराब था। बारिश की बूंदाबांदी शुरू हो गई, लेकिन कोसेंग फिर भी सुबह ताज देखने के लिए पहुंच गए। उन्होंने ताजमहल में डेढ़ घंटे से अधिक समय बिताया और ताजमहल की खूबसूरती सराहना किया । जी-20 सम्मेलन की भारत अध्यक्षता कर रहा है। दिल्ली में विदेशी मेहमानों के सेमिनार शुरू हो गए हैं। इसी बीच ताजमहल देखने वालों की भी आवाजाही शुरू हो गई है। शनिवार सुबह 8:30 पर गणराज्य इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो के बेटे कोसेंग पंगारेप ताजमहल देखने पहुंचे। उनके साथ उनकी पत्नी क्रीना भी थीं। दोनों ने ताजमहल का भ्रमण किया। ताजमहल की डायना सीट पर बैठकर फोटो भी खिंचाए। ताजमहल परिसर में दोनों ने करीब डेढ़ घंटे से अधिक समय बिताया और 10 बजे के बाद दोनों होटल के लिए रवाना हो गए।

कीर्तिनाथ महराज के दर्शन को उमड़े भक्त

संस्कार उजाला

आगरा। मां कामाख्या देवी के अनन्य भक्त परमपूज्य सन्त स्वामी कीर्तिनाथ महराज के आगरा आगमन पर उनके दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए भक्तों की भीड़ देखी गई! मां कामाख्या देवी के भक्त एवं परम पूज्य संत स्वामी कीर्तिनाथ के शिष्य मुन्ना मिश्रा ने बताया की महराज जी भगवान टाकिज के पास स्थित एक होटल में ठहरे हुए हैं और प्रति दिन आने वाले भक्तों से मिल रहे हैं मुन्ना मिश्रा ने बताया की शीघ्र ही आगरा में मां कामाख्या देवी का एक विशाल महायज्ञ होने जा रहा है जो पूरी तरह से जन कल्याण के लिए होगा इसके लिए उचित स्थान एंव समय का चयन किया जा रहा है जल्द तय कर लिया जाएगा! इस दौरान मां कामाख्या देवी के भक्त शंभु नाथ चौबे अनिल कुमार मिश्रा जयेंद्र दीक्षित अंकुर कुलश्रेष्ठ संदीप गौड़ मुनीश कुमार शर्मा आदि मौजूद रहे!

निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा

संवाददाता

प्रयागराज । टीएसएल उपखंड नैनी के अंतर्गत आने वाले कुछ सब स्टेशन पर कर्मचारियों का स्थानांतरण किया जा रहा है जिसमें विद्युत मजदूर संगठन एवं विद्युत संविदा मजदूर संगठन का प्रतिनिधिमंडल उपखंड अधिकारी श्री नितिन बरनवाल जी से मिलकर के अवगत कराया था,लेकिन यह आदेश पत्रांक:528/पू०वि०वि०नि ०लि०(वा)/का अनु०/ दिनांक 01/05/2023 श्रीमान प्रबंध निदेशक का आदेश है कि ग्रामीण क्षेत्रों में 5 वर्ष तथा शहरी क्षेत्रों में 3 वर्ष से अधिक न तैनात किया जाए। तथा सबस्टेशनो/फीडरो पर तैनात न किए जाय जहां पर संबन्धित कार्मिक का निवास स्थान हो।उसके बाद भी कुछ महीने पूर्व एक कर्मचारी का ट्रांसफर उनके घर से पास वाले सब स्टेशन पर कर दिया गया। और ळरछ उपखंड कार्यालय पर कई कर्मचारी 15 से 20 वर्षों से कार्य कर रहे हैं उनके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं हो रही जिससे कर्मचारी का आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है संगठन की यह मांग है की कार्रवाई एक समान किया जाए सिर्फ कुछ ही कर्मचारियों का स्थानान्तरण क्यों किया जा रहा है। अगर निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा जिसकी जिम्मेदारी अधिकारियों की होगी।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में 2 हजार से ज्यादा एग्जीबिटर्स प्रस्तुत करेंगे अपने उत्पाद

संवाददाता

लखनऊ । योगी सरकार प्रदेश के स्टार्टअप्स, उद्योगों और सूक्ष्म लघु मध्यम उद्यम (एमएसएमई) व स्थानीय शिल्प कलाओं को अंतरराष्ट्रीय फलक पर पहचान दिलाने के लिए 21 से 25 सितंबर तक यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2023 का आयोजन करने जा रही है। ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में उत्तर प्रदेश के दो हजार से ज्यादा एग्जीबिटर्स अपने अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। इसमें प्रदेश की शिल्पकलाओं के साथ ही नव उद्यमियों की मेधा से सृजित उत्पादों से दुनियाभर के बायर्स तक पहुंच बनाने का प्रयास होगा। इसके अलावा इंटरनेशनल ट्रेड शो परिसर में हॉल ऑफ टाउन ऑफ एक्सपोर्ट एक्सिलेंस में यूपी के 12 शहरों की उत्कृष्ट शिल्प कलाओं का भी प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही प्रदेश में मौजूद हेल्थ एंड वेलनेस सेक्टर के मजबूत आधार को भी इस ट्रेड शो के जरिए दुनियाभर के बायर्स के सामने प्रदर्शित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने जा रहे इंटरनेशनल ट्रेड शो के दौरान प्रदेश के दो हजार से भी ज्यादा एग्जीबिटर्स अपनी कलाओं के साथ मौजूद होंगे। इनमें एग्रीकल्चर और हॉर्टीकल्चर, डिफेंस कॉरिडोर, ई कॉमर्स, बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विस, एजुकेशन सेक्टर (विश्वविद्यालय, साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित), इन्फ्रा, इंजीनियरिंग और मैन्यूफैक्चरिंग, फिल्म सेक्टर, फूड प्रॉसेसिंग एंड डेयरी प्रोडक्ट, जीआई टैग प्रोडक्ट, हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट, टेक्सटाइल्स, रिटेल, हेल्थ एंड वेलनेस (आयुष, योग, यूनानी, नेचुरोपैथी), आईटी, आईटीईएस, एमएसएमई, नमामी गंगे और जल शक्ति, ओडीओपी, रिन्यूवेबल एनर्जी और ई-व्हीकल, स्पोर्ट्स सेक्टर, टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी सेक्टर, खिलौना उद्योग, वेयरहाउस एंड लॉजिस्टिक्स, महिला उद्यम सहित अन्य सेक्टर से जुड़े लोग अपने अपने उत्पादों के साथ इंटरनेशनल ट्रेड शो में मौजूद रहेंगे। इसके अलावा इस ट्रेड शो के जरिए एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करने पर योगी सरकार का सबसे ज्यादा फोकस है। ओडीओपी के लिए यहां ना सिर्फ प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा, बल्कि बिजनेस और कस्टमर (बी2सी) के बीच प्रॉपर चैनल भी विकसित किया जाएगा, जिससे खरीदार सीधे आर्टिजन्स से संपर्क स्थापित करें और उत्पादों के लिए ऑर्डर दें। सिर्फ इतना ही नहीं उत्तर प्रदेश के जायके के लिए इंटरनेशनल ट्रेड शो में विशेष तौर पर तैयारी की जा रही है। यहां प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बनने वाले स्वादिष्ट और लजीज व्यंजनों का लुत्फ बायर्स उठा सकेंगे। खास बात ये है कि यहां पर मिलेट्स कैंटीन भी बनाई जाएगी, जिसमें मोटे अनाज से निर्मित तमाम व्यंजनों को सर्व किया जाएगा। इंटरनेशनल ट्रेड शो को विविध रंगारंग आयोजनों के जरिए भव्य रूप देने की तैयारी हैं। इसमें आर्ट एंड पेंटिंग शो, यूपी फैशन शो, यूपी कल्चरल परफॉर्मेंस, आर्टिसियन्स परफॉर्मेंस, साउंड एंड लाइट शो, लेजर एंड ड्रोन शो, यूपी बैंड फरफॉर्मेंस और शहनाई नाइट विशेष आकर्षण है। इसके अलावा यहां एक एक्सपीरिएंस जोन भी होगा जिसमें कन्नौज का इत्र, मेरठ का ब्रास और बिजनौर के पेंट ब्रश निर्माण का लाइव डेमो भी प्रदर्शित किया जाएगा। वहीं यूपी के हेल्थ एवं वेलनेस सेक्टर को समर्पित पूरा का पूरा एक हॉल भी होगा, जहां प्रदेश में चिकित्सा से जुड़े विभिन्न विधाओं की समृद्ध परंपरा और विरासत का प्रदर्शन भी दुनियाभर के बायर्स के सामने होगा।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिसद की जिला कार्यकारणी बैठक सम्पन्न

संस्कार उजाला

महोबा। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद की जिला कार्यकारणी की बैठक मुख्यालय के अवध होटल में संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष वेदप्रकाश नायक एवं प्रदेश सचिव अजय रावत के नेतृत्व में महोबा जिलाध्यक्ष आशीष द्विवेदी की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमे सदस्यता अभियान जिला तहसील एवं ब्लाक स्तर पर गठन प्रदेश स्तर पर संपन्न होने वाली बैठक में शामिल होने के संबंध मे निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई पत्रकार सुरक्षा कानून बिल पास कराया जाए पत्रकारों के बच्चो को निशुल्क शिक्षा एवं चिकित्सा का प्रावधान हो राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद रजि0 पत्रकारों पर जगह जगज हो रहे फर्जी मुकद्दमे वापस लिए जाएं पत्रकारों पर जगह जगह हमलों में तुरंत कार्यवाही हो और आरोपियों को जेल भेजा जाए पत्रकारों को मासिक भत्ता लागू किया जाए पत्रकारों का टोल टैक्स माफ किया जाए पत्रकारों को सरकारी नोकरी में परियता दी जाए सरकार की ओर से पत्रकारों का 5 लाख का बीमा किया जाए पत्रकारों के ऊपर बिना जांच के फर्जी मुकदमे न लिखे जाए जिस तरह सरकारी कर्मचारी के साथ घटना घटती है तो उसे आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है उसी तरह पत्रकारों के साथ घटना घटने पर आर्थिक सहायता प्रदान की जय साथ ही कार्यकारणी का गठन किया गया बैठक में तीव्र प्रताप सिंह सोहिल द्विवेदी,मंयक मिश्रा शिवनंदन अग्निहोत्री अमित रिछारिया आनंद तिवारी राकेश दीक्षित केशव भार्गव धर्मवीर अशोक पाटकर चंचल पटैरिया मेवालाल गुप्ता गौरव पांडे अरविंद चौबे संदीप गुप्ता उमाशंकर कुशवाहा विनोद मिश्रा जसवंतगीरी मनोज चौरसिया ब्रजेंद गुप्ता आदि पत्रकार मौजूद रहे

सड़क हादसे में टाटा मैजिक चालक की मौत, 12 घायल

मुजफ्फरनगर । रविवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। थाना क्षेत्र खतौली के अंतर्गत दिल्ली-देहरादून हाईवे पर सड़क किनारे खड़े टाटा मैजिक में उसी कंपनी के दूसरे वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में टाटा मैजिक चालक की गंभीर घायल होने पर मौत हो गई। जबकि 12 यात्री घायल हुए जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने चालक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। नेशनल हाईवे 58 पर सड़क यात्रा नियमों का उल्लंघन जानलेवा साबित हो रहा है। रविवार को एक अनियंत्रित टाटा मैजिक सड़क किनारे खड़े दूसरे टाटा मैजिक से टकरा गया। पुलिस के अनुसार हादसे में एक टाटा मैजिक चालक की मौत हो गई। जबकि उसमें सवार 12 अन्य यात्री घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और सेंट फ्रांसिस हॉस्पिटल खतौली में भर्ती कराया। जहां से सभी लोगों को हायर सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार मोदीनगर से कार्तिक पुत्र महेश टाटा मैजिक में अपने रिश्तेदारों के साथ मुजफ्फरनगर के बंजारा कालोनी के हनुमान चौक पर अपनी बुआ दुलारी की रस्म तेहरावी में जा रहे थे। दिल्ली देहरादून हाईवे पर बाइपास के निकट टाटा मैजिक को खड़ी कर लघुशंका कर रहे थे। तभी राजस्थान के बागड़ बाबा के दर्शन कर लौट रहे सुखबीर मनफूल और उनके परिचितों और रिश्तेदारों की टाटा मैजिक ने टक्कर मार दी। भीषण हादसे में टाटा मैजिक चालक प्रमोद शर्मा की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया। हादसे में संजय कुमार पुत्र रामानंद निवासी नसीरपुर, कौशल पत्नी महेंद्र, बबली पत्नी महेश, मुन्नी पत्नी कल्लू, निवासी मोदीनगर, सुनीता पत्नी सतवीर निवासी मोदीनगर, मुनीश पत्नी राजसिंह निवासी अंकित विहार, सतपाल पुत्र कृष्णलाल निवासी सुभाषनगर, अजय पुत्र चंद्रपाल निवासी नसीरपुर, सुखबीर पुत्र मनफूल निवासी गांधी कालोनी मुजफ्फरनगर को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है।

यीडा के अपैरल पार्क में भूखंडों के लिए उद्यमियों में लगी होड़

संस्कार उजाला, महेश शर्मा

लखनऊ । योगी सरकार द्वारा प्रदेश में कलस्टर के रूप में औद्योगिक क्षेत्रों को विकसित करने की शुरूआत की गई है। इसी क्रम में योगी सरकार यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) में अपैरल पार्क क्लस्टर की स्थापना कर रही है। ये यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण द्वारा स्थापित पहला औद्योगिक कलस्टर है। इस कल्स्टर में अपने उद्योग लगाने को लेकर उद्यमियों में जबर्दस्त उत्साह देखा जा रहा है। उसका उदाहरण ये है कि भूखंड आवंटित होने के बावजूद अभी भी 70 से अधिक औद्योगिक इकाइयों द्वारा यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण में टेक्स्टाइल क्लस्टर के भूखंडों की मांग की जा रही है।

महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, उप्र. के प्रथम मुख्यमंत्री भारत रत्न पं0 गोविन्द बल्लभ पंत की 136वीं जयन्ती पर

मुख्यमंत्री ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी

● पं0 गोविन्द बल्लभ पंत महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थेः मुख्यमंत्री ● पं0 गोविन्द बल्लभ पंत ने उ0प्र0 के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश के विकास की आधारशिला रखी ● पंत जी ने विभिन्न पदों पर रहते हुए कर्मठता व निष्ठा के साथ देश और प्रदेश की सेवा की

संस्कार उजाला, आरके शर्मा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री तथा भारत के पूर्व गृह मंत्री भारत रत्न पं0 गोविन्द बल्लभ पंत की 136वीं जयन्ती पर आज यहां लोक भवन स्थित उनकी प्रतिमा के सम्मुख चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पं0 गोविन्द बल्लभ पंत का जन्म तत्कालीन उत्तर प्रदेश का हिस्सा रहे वर्तमान उत्तराखण्ड के कुमायूं अंचल में हुआ था। वह एक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। उन्होंने उच्च शिक्षा अर्जित करने के दौरान ही देश के स्वाधीनता आन्दोलन में सक्रिय भूमिका निभायी थी। इस दौरान पंत जी ने अनेक दायित्वों का निर्वहन किया। स्वतंत्र भारत में और देश में प्रथम चुनाव के उपरान्त उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में पं0 गोविन्द बल्लभ पंत ने प्रदेश के विकास की आधारशिला रखी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पं0 गोविन्द बल्लभ पंत को भारत के गृह मंत्री के रूप में कार्य करने का भी अवसर प्राप्त हुआ। पंत जी ने विभिन्न पदों पर रहते हुए कर्मठता व निष्ठा के साथ देश और प्रदेश की सेवा की। देश व देश की स्वाधीनता के लिए प्रदेश के विकास, देश की आन्तरिक सुरक्षा के लिए उनके प्रयासों को स्मरण करते हुए देश ने अपने सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न से उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर लखनऊ की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल, प्रदेश के पूर्व मंत्री व विधान परिषद सदस्य डॉ0 महेन्द्र कुमार सिंह तथा अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री, गृह व सूचना श्री संजय प्रसाद, निदेशक सूचना श्री शिशिर सहित शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

दिल्ली के नरेला में प्लास्टिक फैक्टरी में लगी आग, मजदूरों ने भागकर बचाई जान

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के नरेला इंडस्ट्रियल एरिया में प्लास्टिक का सामान बनाने की एक फैक्टरी में बीती रात भीषण

आग लग गई। सूचना पर मौके पर पहुंचे पुलिस और दमकल विभाग के कर्मचारियों ने आग बुझाई। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अगर समय पर आग न बुझ पाती तो बड़ा नुकसान हो सकता था।

दमकल विभाग के अनुसार सूचना मिलते ही कर्मचारियों को 10 गाड़ियों के साथ भेजा गया। आग किस वजह से लगी इसका पता नहीं चल पाया है। धुआं फैलते ही वहां अफरा-तफरी मच गई। फैक्टरी के मजदूरों ने बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। आग इतनी भयंकर थी कि उसने कुछ ही देर में पूरी फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया। आग बुझाई जा चुकी है।

जामा मस्जिद के निकट बम की झूठी कॉल से मची अफरातफरी

नई दिल्ली। जी 20 शिखर सम्मेलन के दौरान दिल्ली पुलिस के हाथ पांव उस समय फूल गए जब सुबह जामा मस्जिद इलाके में बम की सूचना मिली। कंट्रोल रूम ने आनन-फानन में मौके पर टीम रवाना की। छानबीन में यह सूचना झूठी निकली। पता चला है कि शनिवार की सुबह एक लड़के ने जामा मस्जिद के निकट कोई संदिग्ध लावारिस चीज देखी। उसने उसे बम समझ कर फौरन पुलिस कंट्रोल रूम को

कॉल कर दी। राजधानी में जी20 शिखर सम्मेलन के आयोजन के मद्देनजर बिना समय गंवाए सायरन बजाती हुई पुलिस की गाड़ियां, बम स्क्वाड और डॉग स्क्वाड आदि टीमें मौके पर पहुंच गईं। हालांकि बम की कॉल से कुछ देर तक पैनिक वाली स्थिति बनी रही लेकिन जब छानबीन में कुछ नहीं मिला तो पुलिस ने राहत की सांस ली। उधर, पटेल नगर इलाके में एक और मामला सामने आया, जिसमें पुलिस को ड्रोन उड़ने की सूचना मिली। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पता चला कि कोई लड़का ड्रोन उड़ा रहा था। वहां पर किसी बच्चे की बर्थ डे पार्टी चल रही थी, जिसमें ड्रोन के जरिए फोटो ग्राफी की जा रही थी। पुलिस ने ड्रोन को जब्त कर लीगल एक्शन ले रही है।

इन दोनों ही मामले की पुष्टि डीसीपी संजय सैन ने की है। उन्होंने बताया कि दोनों ही मामलों में नाबालिग की भूमिका सामने आई है।

युवक पर जानलेवा हमला, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। मध्य जिले के नबीकरीम इलाके में दोस्त द्वारा दोस्त पर ही जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है, जिसमें युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह वारदात सात अगस्त की दोपहर में हुई है। डीसीपी संजय सेन ने मामले की पुष्टि की है।उन्होंने बताया कि सात अगस्त की दोपहर को पुलिस को टेलीफोन कॉल मिली थी कि नबीकरीम थाना इलाके के प्रेम नगर में एक युवक पर चाकू से हमला किया गया है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। छानबीन में घायल की पहचान दीपक के रूप में हुई, वह मुल्तानी ढाढा, दिल्ली का रहने वाला है। पहाड़गंज थाने का घोषित बदमाश भी है। पुलिस को पूछताछ में उसने बताया कि उसके ऊपर तीन लोगों ने हमला किया है। इस मामले में पुलिस ने 307/34 आईपीसी के तहत एफआईआर दर्ज कर विशाल, हिमांशु और ऋतिक को बीती देर रात गिरफ्तार कर लिया। विशाल और रितिक नबी करीम और पहाड़गंज थाने के घोषित बदमाश हैं। पुलिस को पूछताछ में यह भी पता चला कि ऋतिक और दीपक दोनों दोस्त थे। कुछ दिन पहले किसी बात को लेकर बहस हुई और झगड़ा हुआ। उसी का बदला लेने के लिए ऋतिक ने दीपक पर हमला किया। दीपक शादीशुदा है लेकिन वह एक युवती के साथ कुछ दिन पहले से नबी करीम इलाके में रहने लगा था। उस युवती ने पुलिस को बताया कि 5 दिन पहले ही उसने दीपक से शादी की है। आगे की छानबीन की जा रही है कि हमले की वजह क्या दीपक के द्वारा दूसरी शादी करना है या और कोई कारण है।

मधुबनी की धूम रही जी-20 में

नई दिल्ली। भारत की अध्यक्षता में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान बिहार के मिथिला क्षेत्र की पारंपरिक और प्रसिद्ध चित्रशैली मधुबनी की धूम रही और इसने लगातार दुनिया भर से आए अतिथियों को आकर्षित किया।

जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत मंडपम में आदिवासी कलाकृतियों की एक प्रदर्शनी लगायी गयी है जिसमें कई कलाओं का सजीव प्रदर्शन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य विदेशी नेताओं और अतिथियों को भारतीय कला, संस्कृति और धरोहर से परिचित कराना है।

प्रदर्शनी में मधुबनी चित्रशैली का सजीव प्रदर्शन करने वाली 60 वर्षीया महिला शांति देवी ने बताया कि मधुबनी चित्रशैली अपने जटिल विवरण और जीवंत रंगों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। कलाकार मनोरम और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण कलाकृतियों को बनाने के लिए केवल प्राकृतिक रंगों और टहनियों

से बने ब्रश का उपयोग करते हैं। मध्यम आकार की कलाकृति का एक टुकड़ा बनाने के लिए अविश्वसनीय धैर्य और समर्पण की आवश्यकता होती है और एक प्रतिभाशाली कलाकार को एक उत्कृष्ट कृति बनाने में सात से 10 दिन लगते हैं।

मिथिला की मूल निवासी श्रीमती शांति देवी को उनकी उत्कृष्ट मधुबनी चित्रशैली ने न केवल प्रशंसा दिलाई है, बल्कि उनकी असाधारण शिल्प कौशल के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला है। मधुबनी चित्रशैली एक भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग से सुसज्जित है। इसकी उत्पत्ति बिहार के मिथिला क्षेत्र में हुई है। यह भारत के सबसे पुराने और सबसे जीवंत कला रूपों में से एक है, जिसका इतिहास 2,500 वर्षों से अधिक पुराना है।

श्रीमती शांति देवी ने बताया कि कोविड महामारी से पहले उनकी कलाकृतियां पांच हजार रुपये तक प्रति बिक जाती थी। इससे उनके परिवार को स्थायी आजीविका मिलती थी। उन्होंने चंद्रयान -3 की सफलता पर मधुबनी चित्रशैली का एक चित्र बनाया है। उन्होंने कहा, 'यह अब मेरी सबसे बेशकीमती चित्रकारी है। मैं इसे बेचूंगी नहीं, बल्कि इसे तब तक अपने घर में रखूंगी जब तक मुझे इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को भेंट करने का मौका नहीं मिलता।'अपनी कला के माध्यम से वह अपने गांव, अपने राज्य और अपने देश के लिए एक दूत बन गई हैं। उन्होंने कहा,' मैं इस कला को संरक्षित करने के लिए अपनी ओर से यथासंभव प्रयास करूंगी और मुझे उम्मीद है कि मेरे बच्चे और पोते-पोतियां इस परंपरा को आगे बढ़ाएंगे।'

'आई लव यू मम्मी-पापा, मैं हमेशा आपकी बेटी रहूंगी' लिखकर विवाहिता ने दी जान

गाजियाबाद। मोदीनगर में एक विवाहिता ने प्रेम विवाह के तीन साल बाद फंदे पर लटकर खुदकुशी कर ली है। विवाहिता के प्रेम विवाह करने के बाद से उसके परिजन नाराज चल रहे थे। इसी के चलते विवाहिता अपने पति के साथ मोदीनगर में रह रही थी। विवाहिता को तीन साल होने के बाद भी कोई बच्चा नहीं था। जिसके चलते वो काफी परेशान रहती थी।परेशान विवाहिता ने फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को सुसाइड नोट मिला है। जिसमें विवाहिता ने अपने मरने से पहले लिखा था कि आई लव यू मम्मी-पापा, हमेशा आपकी बेटी रहूंगी। विवाहिता पायल मोदीनगर की ब्रह्मपुरी कॉलोनी में नीरज के साथ किराये पर रहती थी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पायल ने समीपवर्ती गांव निवासी युवक नीरज से लगभग तीन वर्ष पूर्व प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद नीरज और पायल ब्रह्मपुरी कॉलोनी में किराये पर रहने लगे। बताया गया कि नीरज नोएडा काम पर चला गया। रात में लौटा तो पायल को पंखे से लटका देख उसकी चीख निकल गई। पायल को अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दंपती के कोई संतान नहीं है। इसे लेकर भी पायल तनाव में थी।

जी 20 नेताओं ने दी महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने आये विश्व नेताओं ने आज राजघाट जाकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धासुमन अर्पित किये।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अमेरिका के राष्ट्रपति जोसेफ आर बिडेन, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो, चीन के प्रधानमंत्री ली चियांग, इटली की प्रधानमंत्री जिओर्जियो मेलोनी, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो, जर्मनी के चांसलर ओलोफ शोल्ज़, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव तथा अन्य राष्ट्राध्यक्ष/शासनाध्यक्ष और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख राजघाट पहुंचे। राजघाट पहुंचने पर सभी मेहमान नेताओं का अंगवस्त्र पहना कर स्वागत किया गया। सभी नेता एकसाथ बापू की समाधि पर गये और तीन ओर एक साथ दो मिनट का मौन धारण

करके खड़े रहे और फिर पुष्पचक्र अर्पित किये। मेहमान नेताओं ने आगंतुक पुस्तिका पर अपने उद्गार भी व्यक्त किये।

राजघाट से लौट कर सभी नेता भारत मंडपम पहुंचे जहां पर जी-20 शिखर सम्मेलन में आखिरी सत्र 'एक भविष्य' में शिरकत करेंगे और इसके बाद शिखर सम्मेलन का समापन होगा। शिखर सम्मेलन में दो सत्र एक पृथ्वी एक परिवार की थीम पर कल आयोजित किये गये थे। शिखर सम्मेलन का संयुक्त दस्तावेज 'नयी दिल्ली घोषणापत्र' कल जारी हो चुका है जो सर्वसम्मति से जारी किया गया।

कुत्ते के काटने से लड़के की मौत के बाद नोएडा-गाजियाबाद में रेबीज का डर

गाजियाबाद/नोएडा। उत्तर प्रदेश का शो विंडो और दिल्ली एनसीआर का मुख्य पार्ट गाजियाबाद और नोएडा, राज्य के राजस्व में बड़ी भूमिका निभाते हैं। ये दोनों जिले प्रदेश के सबसे हाईटेक जिलों में शामिल हैं। लेकिन फिर भी यहां पर कुछ ऐसी समस्याएं हैं जिनके कारण आम जनता परेशान है। न ही गाजियाबाद का नगर निगम और न ही नोएडा का प्राधिकरण इन समस्याओं को हल कर पाने में सफल साबित हुआ है।

कागजी कार्रवाई खूब होती है लेकिन आम जनता को राहत मिलती दिखाई नहीं दे रही है। नोएडा और गाजियाबाद इधर कुछ दिनों से अगर सुर्खियों में है तो डॉग अटैक के लिए। रोजाना कई ऐसे वीडियो सामने आते हैं जिसमें बच्चों को बुजुर्गों और आम लोगों को सड़कों पर, सोसाइटियों के अंदर और पार्कों में

घूम रहे आवारा कुत्ते अपना निशाना बनाते दिखाई देते हैं। दोनों ही जिलों से सामने आने वाले मामलों की बात करें तो तकरीबन 400 से ज्यादा मामले रोजाना डॉग बाइट के सामने आते हैं। साथ ही करीब 1.25 लाख से ज्यादा कुत्ते दिनों जिलों की सड़को पर घूम रहे हैं। गाजियाबाद के विजयनगर थाना क्षेत्र में चरण सिंह कॉलोनी है। यहां रहने वाले 14 साल के शाहवेज को करीब डेढ़ महीने पहले पड़ोसी के कुत्ते ने काट लिया था। डर के चलते शाहवेज ने यह बात परिजनों को नहीं बताई। धीरे-धीरे रेबीज इन्फेक्शन पूरे शरीर में फैल गया। 1 सितंबर को शाहवेज को दिक्कत होनी शुरू हो गई।

परिजनों ने एम्स दिल्ली, जीटीबी दिल्ली और मेरठ-गाजियाबाद के कई बड़े हॉस्पिटल में दिखाया। मगर, डॉक्टरों ने शाहवेज को लाइलाज घोषित कर दिया। आखिरकार 4 सितंबर को शाहवेज ने एम्बुलेंस में पिता याकूब की गोद में दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद लोग अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर बेहद सचेत हो गए हैं।

जी20 के प्रति साझा प्रतिबद्धता जताते हुए आया भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका-अमेरिका का संयुक्त वक्तव्य

नई दिल्ली। हम, भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका के नेताओं ने विश्व के लिए साझा समाधान प्रदान करने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के प्रमुख मंच के रूप में जी20 के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त करने के लिए शनिवार को यहां एक साझा बयान जारी किया।

जी 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए नयी दिल्ली आए अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडे, ब्राजील के राष्ट्रपति लूइज़ इंसियो लूला दा सिल्वा, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात के बाद इन देशों में जी20 के लिए अपने साझी प्रतिबद्धता जतायी। इस संबंध में

जारी बयान में कहा गया है , 'जी20 के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए नई दिल्ली में जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के अवसर पर हमने मुलाकात की।'

जी20 का अगला सम्मेलन ब्राजील , उसके बाद दक्षिण अफ्रीका और उससे अगला अमेरिका की अध्यक्षता में होगा।

साझा बयान में कहा गया है, 'जी20 की वर्तमान और अगली तीन अध्यक्षताओं के रूप में हम वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए भारत की जी20 अध्यक्षता की ऐतिहासिक प्रगति पर आगे काम करेंगे। इस भावना को ध्यान में रखते हुए, विश्व बैंक के अध्यक्ष के साथ, हम बेहतर, बड़े और अधिक प्रभावी बहुपक्षीय विकास बैंकों के निर्माण के प्रति जी20 की प्रतिबद्धता का स्वागत करते हैं। ' बयान में कहा गया है, 'बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अपने लोगों को समर्थन देने के लिए, यह प्रतिबद्धता उन कार्यों पर ज़ोर देती है जो जी20 के माध्यम से एक साथ मिलकर किए जा सकते हैं।'

दिल्ली में मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति ने मां की चाकू मारकर हत्या की

नई दिल्ली। दिल्ली में मानसिक रूप से विक्षिप्त 25 साल के एक व्यक्ति ने अपनी मां की चाकू मारकर हत्या कर दी। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसे बचाने की कोशिश करने वाले एक पड़ोसी को भी चोटें आई।मृतका की पहचान पूर्वोत्तर दिल्ली के त्रिलोकपुरी इलाके की रहने वाली राज कुमारी (60) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, घटना दोपहर 01:35 बजे त्रिलोकपुरी इलाके में हुई। अधिकारी ने कहा, आरोपी की पहचान सूरज के रूप में हुई है, जिसने अपने घर में अपनी 60 वर्षीय मां की चाकू मारकर हत्या कर दी। वह मानसिक रूप से विक्षिप्त बताया जा रहा है। अधिकारी ने कहा, उसे पकड़ लिया गया है। उसके पड़ोसी नीरज पटेल ने महिला को बचाने की कोशिश की। वह भी घायल हो गया। अधिकारी ने बताया कि भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है।

2660 फर्जी कंपनी बनाने के तीन आरोपियों के हरियाणा स्थित आवास पर नोएडा पुलिस ने चिपकाए नोटिस

नोएडा। 15,000 करोड़ के जीएसटी गड़बड़ी मामले में फर्जी तरीके से 2660 कंपनियां बनाने वाले तीन लोगों के हरियाणा स्थित आवास पर नोएडा पुलिस ने मुनादी की है और नोटिस चिपकाए हैं।

नोएडा पुलिस ने बताया है कि आरोपियों की सूचना देने वाले को 25,000 रुपए इनाम दिया जाएगा। आरोपियों ने फर्जी तरीके से 2660 कंपनियों का रजिस्ट्रेशन कराकर करोड़ों रुपए राजस्व की चोरी की थी। तीनों ही नोएडा के सेक्टर-20 थाना के वांछित हैं। दरअसल, इस पूरे गैंग ने मिलकर करीब 15,000 करोड़ रुपए का फर्जीवाड़ा किया

था। इस मामले की शुरुआत में पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद गिरफ्तारी का सिलसिला बढ़ता चला गया। अब तक 20 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

इस गैंग में शामिल वांछित अभियुक्त कुनाल मेहता उर्फ गोल्डी (हिसार, हरियाणा), आशीष अलावादी, (सिरसा हरियाणा) और बलदेव उर्फ बल्ली (हिसार, हरियाणा) के बंद आवासों पर नोटिस चिपकाए गए हैं। मामले में नोएडा पुलिस के साथ राज्य और केंद्र की जीएसटी टीम भी जांच कर रही है।

साहिबाबाद में फैक्ट्री में लगी भीषण आग, 15 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया

साहिबाबाद । उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र में एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इस आग को बुझाने में मौके पर 27 दमकल गाड़ियां पहुंची। 15 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया सका। इस दौरान कई दमकलकर्मी झुलस गए। घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। जानकारी के मुताबिक, ÷साहिबाबाद फायर स्टेशन को शनिवार शाम करीब 5 बजे घटना की सूचना मिली। फोन करने वाले ने साइट-4, पैसिफिक मॉल के पास एसआरसी इम्पेक्स में भीषण आग लगने की सूचना दी।'

एक अग्निशमन अधिकारी ने कहा, 'मौके पर पहुंचने पर, दमकलकर्मियों ने देखा कि आग भीषण थी, उसकी लपटें फैल रही थीं और धुएं का गुब्बार बना हुआ था। बचाव अभियान के लिए तुरंत अतिरिक्त सहायता का अनुरोध किया गया।'

इसके बाद, विभिन्न अग्निशमन केंद्रों से कुल 27 अग्निशमन गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। कोतवाली से पांच दमकल गाड़ियां भेजी गईं और बाकी मोदीनगर, हापुड, मेरठ और नोएडा से बुलाई गईं। फैक्ट्री का ऊपरी हिस्सा जहां आग लगी थी, ढह गया, जिससे दमकलकर्मियों का काम मुश्किल हो गया।अधिकारी ने कहा, 'आग ने बगल की दो फैक्ट्रियों एसवीएल सेंटक और जेपीवीडीएस को भी अपनी चपेट में ले लिया। इन फैक्टरियों में बेसमेंट होने के चलते धुआं फैल गया, जिससे बचाव कार्य और भी मुश्किल हो गया। हालांकि, हम एग्जॉस्ट सिस्टम के माध्यम से धुएं पर काबू पाने में कामयाब रहे और 15 घंटे के बाद आखिरकार आग पर काबू पा लिया गया।' अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान के दौरान कई अग्निशमन कर्मी झुलस गए।

दिल्ली की बारिश में ऋषि सुनक, पत्नी अक्षता का 'प्यार हुआ इकरार हुआ' पल, तस्वीर वायरल

नई दिल्ली। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति ने रविवार को अक्षरधाम मंदिर का दौरा किया। इस दौरान दोनों पति-पत्नी ने छतरी के नीचे एक मनमोहक पल साझा किया, जिससे सभी आश्चर्यचकित रह गए।

ऋषि सुनक और उनकी पत्नी की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। दोनों को बारिश में एक छाते के नीचे देखा जा सकता है। ऋषि सुनक सफेद फॉर्मल शर्ट के साथ रॉयल ब्लू कलर की पैंट पहने नजर आ रहे हैं। जबकि अक्षता मूर्ति ने गुलाबी लाल पलाज़ो और मैचिंग दुपट्टे के साथ ऑलिव ग्रीन फ्लोरल प्रिंटेड कुर्ता पहना है। दोनों नंगे पैर छतरी के नीचे करीब-करीब चलते नजर आ रहे हैं। तस्वीर में देखा जा सकता है कि ऋषि सुनक छाता पकड़े हुए हैं और कुछ बातें कर रहे हैं। यह तस्वीर 1955 की बॉलीवुड फिल्म 'श्री 420' के मशहूर गाने 'प्यार हुआ इकरार

हुआ' की याद दिलाती है। फिल्म में नरगिस और राज कपूर मुख्य भूमिका में थे और गाना दिवंगत लता मंगेशकर और मन्ना डे ने गाया था। ऋषि सुनक ने साल 2009 में इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति और सुधा मूर्ति की बेटी अक्षता से शादी की। दोनों ने आज सुबह मंदिर में श्री नीलकंठ वर्णी महाराज की मूर्ति पर 'अभिषेक' किया और विश्व शांति, प्रगति और सद्भाव के लिए प्रार्थना की। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा, 'मुझे और मेरी पत्नी को आज सुबह दर्शन और पूजा के लिए स्वामीनारायण अक्षरधाम जाकर खुशी हुई।' बाद में पीएम सुनक अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ यहां से राजघाट गए और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने शनिवार को यहां भारत मंडपम में जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित डिनर में में भी शामिल हुए।

डूसू चुनाव में एबीवीपी की संभावित उम्मीदवारों की सूची जारी, 9 नाम शामिल

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् ने शुक्रवार को डूसू चुनाव के लिए 9 कार्यकर्ताओं की अद्यतन सूची जारी की है। सूची में चुनाव लड़ने वाले संभावित उम्मीदवारों में अंकिता बिस्वास, अपराजिता, भानु प्रताप सिंह, निशुल खर्ब, ऋषभ चौधरी, सचिन बैंसला, सारांश भाटी, सुशांत धनखड़, तुषार डेढ़ा के नाम शामिल हैं। ये सभी कार्यकर्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में चली अभाविप की प्री-कैंपेन के पहले चरण में भी शामिल रहे हैं। अभाविप के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव (डूसू) के मद्देनज़र डीयू के कॉलेजों के आसपास स्थित विभिन्न पीजी एवं छात्रावासों में संपर्क कर समर्थन मांगा। दरअसल, 'जी20' शिखर सम्मेलन के कारण फिलहाल दिल्ली के स्कूल-कॉलेज बंद रखे गए हैं। ऐसे में 'जी20' के आयोजन के कारण डीयू भी बंद रहा। इस पर एबीवीपी के कार्यकर्ता छात्र-छात्राओं से संपर्क करने के क्रम में पीजी व छात्रावासों में संपर्क करने पहुंचे।

जेवर में बिजली लाइन के नीचे मकान बनवा रहे लोग

करंट की चपेट में आकर कई लोगों की हो चुकी है मौत

संवाददाता

जेवर। क्षेत्र में लोगों की खुद की ही लापरवाही उनकी जान पर भारी पड़ रही है। दरअसल, लोग बिजली की पुरानी लाइनों के नीचे अपना मकान बना रहे हैं। जिसकी वजह से आए दिन हादसे हो रहे हैं। जबकि हादसों का आरोप बिजली विभाग पर लगाया जाता है। पिछले कुछ महीने में हुए हादसों के दौरान यही बात सामने आई है कि अधिकांश मामले लोगों की खुद के लापरवाही की वजह से ही हुए हैं। बिजली विभाग ऐसे लोगों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की भी बात कह रहा है। दनकौर, रबूपुरा और जेवर समेत ग्रेटर नोएडा के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की खुद की लापरवाही उनकी जान पर भारी पड़ रही है। ग्रामीणों द्वारा 25 से 30 वर्ष पुरानी बिजली के लाइनों के नीचे मकान बनाए जा रहे हैं। जिनकी वजह से ही हादसे हो रहे हैं। जबकि बिजली विभाग द्वारा लाइनों के नीचे मकान बनाने के लिए हादसा को देखते हुए लोगों से मना किया गया है। जिसकी वजह से लोगों की बिजली की चपेट में आकर जान भी जा रही है। उसके बाद भी लोग जागरूक नहीं हो रहे हैं। बिजली विभाग के अधिकारियों का कहना है कि कई बार क्षेत्र में जाकर ग्रामीणों को इसके प्रति जागरूक भी किया जाता है। लेकिन उसके बावजूद भी लोग नहीं मानते हैं। जिसकी वजह से ही भीषण हादसे बिजली की वजह से हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों का कहना है कि ऐसे लोगों को चिन्हित कर विभाग द्वारा नोटिस भी दिया जा रहा है। जो पुरानी लाइनों के नीचे मकान बना रहे हैं। बिजली की लाइन के नीचे मकान ही नहीं बल्कि लोगों ने मकान के छज्जे बाहर निकालकर बिजली के पोल को अंदर ले लिया है। जिसकी वजह से छत पर चढ़ने के दौरान कई भीषण हादसे क्षेत्र में हुए हैं। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि लोग अपने मकान बनाते हैं, तो छज्जे को रास्ते की तरफ निकालकर पोल को उसके अंदर ही ले लेते हैं। जिसकी वजह से हादसे हो रहे हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ भी विभाग द्वारा जल्द ही एक अभियान चला कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जून महीने में जेवर के एक अस्पताल की छत से टच होकर जा रही 11 हजार वोल्ट की लाइन की चपेट में आकर अलीगढ़ के रहने वाले 5 वर्षीय बच्छे माधव के दोनों हाथ कटे। 27 जून को मूंजखेड़ा गांव में 11 हजार वोल्ट के बिजली की करंट की चपेट में आकर लाइनमैन अशोक की हुई मौत। 28 जुलाई को मिजार्पुर गांव में 75 वर्षीय अंगूरी देवी नाम की बुजुर्ग महिला की 11 हजार वोल्ट की बिजली की चपेट में आकर हुई मौत। 15 अगस्त को चूहड़पुर बांगर गांव निवासी कुर्बान (24) नाम के युवक की घर की छत से होकर निकल रहे 11 हजार वोल्ट की बिजली के करंट की चपेट में आकर हुई मौत। इस बारे में बिजली विभाग के एसडीओ शंकर प्रसाद ने बताया कि लोगों की लापरवाही सामने आ रही है। पुरानी लाइनों के नीचे मकान बनाए जा रहे हैं। साथ ही घरों के छज्जों के अंदर ही पोल ले लिए गए हैं। जिसकी वजह से हादसे हो रहे हैं। ऐसे लोगों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बुजुर्ग ने सोसाइटी की 15वीं मंजिल से कूदकर जान दी

संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। शहर की पुलममेरिया गार्डन सोसाइटी में रहने वाले बुजुर्ग ने शनिवार की सुबह 15वीं मंजिल स्थित अपने फ्लैट की बालकनी से कूदकर जान दे दी। बुजुर्ग कई बीमारियों से ग्रसित थे और अवसाद में रहते थे। इसके चलते उन्होंने यह कदम उठाया। हालांकि, पुलिस मामले की जांच की जा रही है। सूरजपुर कोतवाली प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि सोसाइटी की 15वीं मंजिल स्थित फ्लैट में 82 वर्षीय बुजुर्ग ओमप्रकाश बवेजा परिवार के साथ रहते थे। शनिवार की सुबह बुजुर्ग अपने फ्लैट की बालकनी से नीचे कूद गए। परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें नजदीक के अस्पताल में भर्ती करवाया। डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक परिवार से बातचीत करने में पता चला है कि बुजुर्ग कई बीमारियों से ग्रसित थे। वह परेशान रहते थे। फरवरी में उनकी पत्नी का निधन हो गया था। इसके बाद से वह डिप्रेशन में चले गए थे। परिवार के लोगों ने उनका इलाज करवाया, लेकिन वह काफी परेशान रहते थे।

प्रधाकिरण ने लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई

संवाददाता

नोएडा । सेक्टर-117 में प्राधिकरण ने शनिवार को सफाई गिरि कार्यक्रम का आयोजित किया। इसमें हेल्थ विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक आरके शर्मा ने सभी सेक्टर वासियों को स्वच्छता के प्रति शपथ दिलाई। आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष कोसिंदर यादव ने लोगों को सेक्टर हम ही संवारे की थीम पर स्वच्छता के प्रति सजग रहने की बात कही। कोषाध्यक्ष ऐडवोकेट ऐके पाठक ने बताया कि इस बार सेक्टर-117 प्राधिकरण की ओर से आयोजित होने वाली स्वच्छ सेक्टर प्रतियोगिता में भाग लेगा। हम अपने सेक्टर को स्वच्छ और सुंदर बनाकर नोएडा को स्वच्छ सर्वेक्षण में पहला स्थान दिलाने का प्रयास करेंगे। इस मौके पर सुमित गुप्ता, श्रीकृष्ण अपार्टमेंट के अध्यक्ष सोमेन्दर यादव, गौरव बंसल, इन्जीनियर राजीव यादव, केपी सिंह, बिशन सिंह, प्रेम सैन उपस्थित रहे।

नोएडा पुलिस ने 24 घंटे में ढूंढ निकाली अपहृत हुई किशोरी, आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

नोएडा । यूपी के नोएडा शहर से बहला फुसलाकर अपहरण की गई एक नाबालिग किशोरी को नोएडा की थाना कासना पुलिस ने 24 घंटे के भीतर ढूंढ लिया है। नोएडा की कासना पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी किशोर को भी गिरफ्तार किया है। नोएडा पुलिस ने आरोपी किशोर को जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, नोएडा के थाना कासना पुलिस पर शुक्रवार को एक युवक ने शिकायत दर्ज कराई कि उसकी नाबालिग बहन बिना बताये घर से कहीं चली गई है। कासना पुलिस ने शिकायत पर कार्यवाही करते हुए धारा 363 के तहत मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने किशोरी की बरामदगी के लिए कई टीमों का गठन किया। पुलिस ने नाबालिग किशोरी की तलाश के लिए लोकल इंटेलीजेंस एवं सीसीटीवी कैमरो की मदद ली। जिसके बाद पुलिस ने नाबालिग किशोरी को तलाश कर लिया। थाना कासना पुलिस द्वारा लोकल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए नाबालिग को बहला फुसलाकर ले जाने वाले अभियुक्त 19 वर्षीय मनोज पुत्र मदन निवासी ग्राम दतावली थाना दादरी गौतमबुद्धनगर को ग्रेटर नोएडा स्थित सूरजपुर कोर्ट के गेट नंबर 2 के पास से गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

महिला सहित दो मादक द्रव्य तस्कर दबोचे, एक अन्य शातिर भी पकड़ाया

संवाददाता

नोएडा । नोएडा और ग्रेटर नोएडा की पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से देशी शराब की तस्करी करने वाली एक महिला सहित तीन लोगों को दबोचा है। इनमें एक गांजा तस्कर और एक शातिर चोर भी शामिल है। पकड़े गए लोगों के पास से मादक द्रव्यों के साथ ही तमंचा, कारतूस और 5100 रुपए भी बरामद किए गए हैं। थाना सेक्टर-39 पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर सेक्टर 45 एसडीए ब्लॉक के पास से एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। तलाशी में उसके पास से 1 किलो 150 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम राजू तिवारी पुत्र शिवचंद्र तिवारी निवासी सदरपुर बताया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह यमुना नदी के किनारे एक व्यक्ति से गांजा लेकर आता है और उसकी छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर उसे रिक्शा चालकों, मजदूरों व युवाओं को बेचता है। थाना सेक्टर-63 पुलिस ने देशी शराब की तस्करी करने वाली एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर उसे एफएनजी रोड से दबोचा गया। पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस एफएनजी रोड पर पहुंची थी। वहां शक के आधार पर सीमा पत्नी राकेश निवासी खोड़ा कॉलोनी को हिरासत में ले लिया गया। महिला कॉन्स्टेबल ने उसकी तलाशी ली, तो उसके पास से देशी शराब के 32 पव्वे बरामद हुए। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट और आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

नामी अस्पताल की नर्स को फंसाकर उतरवाए कपड़े, अब अश्लील तस्वीर लेकर पत्नी संग कर रहा ब्लैकमेल

संवाददाता

नोएडा । एक पति-पत्नी ने नामी अस्पताल की एक नर्स को अपने जाल में फंसाया, कपड़े उतरवाए और नहाते समय तस्वीरें खींच लीं। फिर उसकी इन्हीं अश्लील तस्वीरों के सहारे उन पति-पत्नी ने नर्स को ब्लैकमेल करना भी शुरू कर दिया। हद तो तब हो गई, जब उन्होंने उक्त नर्स की तस्वीरें वायरल करके उसे बदनाम करना भी शुरू कर दिया। इस संबंध में पीड़िता ने नोएडा के थाना सेक्टर-24 में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। पुलिस को दी गई शिकायत में अंकिता (काल्पनिक नाम) ने बताया कि वह नोएडा के एक नामी अस्पताल में नर्स का काम करती है। रिश्ते में उसकी बहन का देवर लगने वाले एक व्यक्ति सौरभ गुप्ता ने अपनी पत्नी शैफाली गुप्ता के साथ मिलकर बड़े ही सुनियोजित तरीके से उसपर डोरे डाले और उसकी अश्लील तस्वीरें खींचकर उसे ब्लैकमेल कर रहा है। अंकिता के अनुसार सौरभ सीआईएसएफ में काम करता है और पहले उसकी पोस्टिंग मुंबई में थी। दिल्ली में पोस्टिंग के दौरान उसका लीवर खराब हो गया और उसकी पत्नी शैफाली ने उसे लीवर डोनेट किया। इस दौरान दोनों पति-पत्नी उसी अस्पताल में भर्ती रहे, जिसमें वह काम करती थी। उसने दोनों की बहुत देखभाल की। इस दौरान दोनों पति-पत्नी ने अंकिता से नजदीकी बढ़ाते हुए उसे अपने जाल में फंसाना शुरू कर दिया। अस्पताल से छुट्टी के बाद उन्होंने अंकिता को अपने घर पर बुलाना शुरू कर दिया। इस बीच आरोपी सौरभ ने अंकिता को अपने प्रेमजाल में फंसाना शुरू किया। उसके इस काम में उसकी पत्नी शैफाली ने भी पूरा साथ दिया। अंकिता के अनुसार सौरभ उससे शादी करने की जिद्द पर अड़ गया। उसने कहा कि अगर अंकिता ने उससे शादी नहीं की, तो वह अपनी जान दे देगा। सौरभ की पत्नी भी इस काम के लिए अंकिता पर दबाव डालने लगी। इसके बाद अंकिता ने उन लोगों के साथ संबंध खत्म कर दिया। बाद में सौरभ ने अंकिता को वीडियो कॉल करके दिखाया कि अगर अंकिता ने उन्हें माफ नहीं किया, तो वह चौथी मंजिल से कूदकर जान दे देगा। अंकिता का दिल पसीज गया और वह उनके घर चली गई। उसने कहा कि उसने दोनों को माफ कर दिया है। इसके बाद सौरभ ने नहाते समय अंकिता की तस्वीरें और वीडियो बना लीं। बाद में उसने इन तस्वीरों और वीडियो के सहारे अंकिता को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया और कहा कि अगर वह उसकी बात नहीं मानेगी, तो वह उसकी तस्वीर और वीडियो वायरल करके उसे बदनाम कर देगा। समाज में बदनामी के डर से अंकिता ने सौरभ और शैफाली की बातें माननी शुरू कर दीं। इस बीच जब अंकिता ने सौरभ की पत्नी से फोन में उसकी अश्लील तस्वीरें होने और उसे डिलीट करवाने की बात कही, तो उसने अंकिता पर ही आरोप लगा दिया कि वह उसके पति पर बुरी नजर रखती है और उसपर गलत इल्जाम लगा रही है। अंकिता का आरोप है कि सौरभ ने उसकी अश्लील तस्वीरें और वीडियो सभी सगे-संबंधियों और दोस्तों के बीच वायरल भी कर दिया है। इसके बाद से अंकिता के घर वाले ही अंकिता से नजरें फेर चुके हैं। अंकिता को ही दोष देते हुए उनका कहना है कि इतना गलत काम करने के बाद अब उससे शादी कौन करेगा। अंकिता ने अपनी शिकायत में यह भी कहा है कि आरोपी ने उससे 30 हजार रुपए ले रखे हैं और उसे वापस नहीं कर रहा है। उसने इस मामले की शिकायत पुलिस में करके आरोपी सौरभ के फोन में मौजूद उसकी तस्वीरें और वीडियो को डिलीट करवाने तथा उसके पैसे वापस दिलवाने की गुहार लगाई है।

नोएडा स्कूल्स पैरेंट्स एसोसिएशन ने की कई निजी स्कूलों की मान्यता रद्द करने की मांग

संवाददाता

नोएडा । नोएडा के निजी स्कूलों और स्कूली बच्चों के माता-पिता के बीच एक बार फिर तलवारें खिंचती नजर आ रही हैं। ऑल नोएडा स्कूल्स पैरेंट्स एसोसिएशन नोएडा में चल रहे कई निजी स्कूलों की मान्यता रद्द करने की मांग को लेकर अभिभावकों के साथ एक बड़ी तैयारी में जुट गया है। नोएडा के इन स्कूलों पर शिक्षा विभाग के निदेर्शों की धज्जियां उड़ाने का भी आरोप लगाया जा रहा है। इन स्कूलों पर कोरोना काल के दौरान की फीस का समायोजन न करने और इस संबंध में बात करने पर स्कूल से बच्चे का नाम काटने की धमकी देने का बड़ा आरोप भी है। बता दें कि शिक्षा विभाग ने दो महीने पहले (5 जुलाई को) ही सर्कुलर जारी कर नोएडा में संचालित हो रहे निजी स्कूलों से कोरोना काल के दौरान की फीस समायोजित करने के संबंध में जानकारी मांगी थी। लेकिन नोएडा के इन स्कूलों पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ा। इनमें से अधिकांश स्कूल सुप्रीम कोर्ट के आदेश के नाम पर फीस समायोजित करने के लिए तैयार नहीं हैं। आरोप है कि कोरोना काल के दौरान सत्र 2020-2021 में स्कूल बंद होने के कारण केवल ऑनलाइन कक्षाएं ही संचालित हुई थीं। फिर भी स्कूलों ने अभिभावकों से पूरी फीस वसूल की थी। बाद में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने स्कूलों को 15 प्रतिशत फीस वापस लौटाने और इसे अगले सत्र में समायोजित करने का आदेश दिया था। इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद नोएडा के इन स्कूलों ने कोरोना काल के दौरान वसूली गई फीस के समायोजन में दिलचस्पी नहीं दिखाई। इसे गंभीरता से लेते हुए डीएम ने 100 स्कूलों पर एक लाख रुपए का जुमार्ना भी लगाया था। इसके विरोध में इन स्कूलों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. धर्मवीर सिंह ने बताया कि शिक्षा विभाग की ओर से स्कूलों को फीस समायोजन के बारे में रिमाइंडर भी भेजे गए हैं। इसके बावजूद अब तक केवल 50 स्कूलों की तरह से ही फीस समायोजित किए जाने की जानकारी मिली है। जबकि जनपद में साढ़े तीन सौ निजी स्कूल संचालित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि निजी स्कूल सुप्रीम कोर्ट के नाम फीस समायोजन से बचने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि प्रदेश सरकार कोर्ट के आदेश का स्पष्टीकरण जारी करते हुए जनपद में चल रहे यूपी बोर्ड, सीबीएसई बोर्ड और आईसीएसई बोर्ड के साढ़े तीन सौ स्कूलों को सर्कुलर भेजा था। शिक्षा विभाग की ओर से जारी सर्कुलर में इन निजी स्कूलों को एक सप्ताह में फीस समायोजित करने और उसका विवरण उपलब्ध करवाने का निर्देश दिया गया था। लेकिन स्कूलों ने इस सर्कुलर पर ध्यान नहीं दिया। विभाग द्वारा रिमाइंडर भेजे जाने के बावजूद साढ़े तीन सौ में से केवल 50 स्कूलों ने ही फीस समायोजित की है। इस मामले में अभिभावकों ने भी स्कूल प्रशासन पर बड़े आरोप लगाए हैं। अभिभावकों का कहना है कि फीस समायोजित करने की बात पर स्कूल प्रशासन कोई उत्तर नहीं देते हैं। जब स्कूल से फीस समायोजित करने की मांग की जाती है, तो स्कूल प्रशासन उलटे अभिभावकों को ही बच्चे का नाम काटने की धमकी देने लगता है।

संक्षिप्त डायरी

सलाम नमस्ते में नो-प्लास्टिक कैम्पेन का आयोजन

संवाददाता

नोएडा । आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत नो-प्लास्टिक कैम्पेन का आयोजन हुआ। सितंबर की पहली तारीख से लेकर 15 तारिख तक आयोजित इस कार्यक्रम में वॉल पेंटिंग, कैनवास पेंटिंग, कबाड़ से जुगाड़, रेडियो टॉक, सेमिनार, वर्कशॉप एवं नो-प्लास्टिक कैम्पेन के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। वहीं शनिवार के कार्यक्रम के दौरान रेडियो के माध्यम से माय 10 केजी प्लास्टिक एवं नो प्लास्टिक कैम्पेन से भी अवगत कराया गया। सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड बर्षा छबारिया ने बताया कि सामुदायिक रेडियो, नोएडा अथॉरिटी एवं इंडियन पॉल्यूशन कंट्रोल एसोसिएशन (आईपीसीए) के साथ मिलकर इस अभियान को शुरू किया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक रेडियो के माध्यम से आस-पास के घर, मोहल्ले, सेक्टर एवं सोसाइटी में स्वच्छता बनाए रखने की अपील की जा रही है। वही रेडियो की टीम स्थानीय स्कूल एवं गांवों में जाकर स्वच्छता वर्कशॉप, स्वच्छता प्रतिस्पर्धा एवं क्विज के माध्यम से अधिक से अधिक आम लोग एवं छात्रों को अपने साथ स्वच्छता प्रहरी एवं स्वच्छता कैम्पेन में जोड़ने कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आनेवाले समय में युवाओं को इस कार्यक्रम में शामिल करने के लिए युवा फॉर स्वच्छता कैंपेन से जोड़ा जाएगा। सलाम नमस्ते युवाओं को ग्रीन एंबेसडर टीम में शामिल कर स्वच्छ नोएडा-स्वास्थ्य नोएडा के लिए प्रेरित करेगा।

टेंट के गोदाम में लगी आग पर 12 घंटे बाद काबू पाया

संवाददाता

ग्रेटर नोएडा । दमकलकर्मियों ने ग्रेनो वेस्ट स्थित खैरपुर गुर्जर गांव के समीप टेंट के गोदाम में लगी आग को करीब 12 घंटे की मशक्कत के बाद बुझाया। दमकल की करीब दस गाड़ियां रातभर पानी ढोने में लगी रहीं। इसके बाद आग पर काबू पाया गया। आग की वजह से गोदाम में रखा टेंट का सारा सामान जलकर राख हो गया। हालांकि, आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस और फायर विभाग द्वारा मामले की जांच की जा रही है। गौतमबुद्ध नगर के मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि फायर विभाग को शुक्रवार की रात करीब 9:30 बजे सूचना मिली थी कि खैरपुर गुर्जर गांव के समीप गोदाम में आग लग गई है। आग की सूचना पर दमकल की एक के बाद एक 10 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मी रातभर आग बुझाने में जुटे रहे। उन्होंने शनिवार सुबह 9:30 बजे कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस के मुताबिक खैरपुर गुर्जर गांव के रहने वाले हरेंद्र खारी के प्लॉट में एक कंपनी ने टेंट का गोदाम बना रखा था। बंद पड़े गोदाम में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने का अंदेशा है। हालांकि, अभी आग का लगने का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। आग से कोई जनहानि की सूचना नहीं है, लेकिन गोदाम में रखा सारा सामान जल गया। फायर विभाग के मुताबिक टीन शेड गिरने की वजह से आग बुझाने में काफी परेशानी उठानी पड़ी। इसके चलते फायर बिग्रेड की टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। आसपास रहने वाले लोगों में अफरातफरी मची : आग लगने से आसपास के घरों में रहने वाले लोगों में अफरातफरी का माहौल रहा। ग्रामीणों का आरोप है कि यहां अवैध रूप से टेंट का गोदाम बना रखा था। आग बुझाने के कोई इंतजाम नहीं थे। इसके चलते आग ने विकराल रूप लिया और आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी।

कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप चुराया

संवाददाता

ग्रेटर नोएडा । ग्रेनो वेस्ट में एक दुकान के बाहर खड़ी कार का शीशा तोड़कर चोर लैपटॉप चोरी कर ले गए। पीड़ित गाजियाबाद से कुछ सामान लेने के लिए ग्रेनो वेस्ट आए थे। इसी बीच चोरों ने उनकी कार का शीशा तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। बिसरख कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक प्रताप विहार गाजियाबाद के रहने वाले योगेंद्र सिंह शुक्रवार को किसी काम से ग्रेनो वेस्ट आए थे। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उन्होंने अपनी कार ग्रीन आर्च स्थित बजरंगी स्वीट्स की दुकान के सामने खड़ी की थी। कार खड़ी कर वह कुछ सामान लेने गए थे। कुछ देर बाद वापस लौटे तो देखा की कार की पिछली खिड़की का शीशा तोड़कर चोर लैपटॉप चोरी कर ले गए। इसकी शिकायत उन्होंने तुरंत पुलिस को दी। लोगों का आरोप है कि यहां आए दिन गाड़ियों का शीशा तोड़कर सामान चोरी की घटनाएं की जा रही है। लेकिन पुलिस चोरों को पकड़ने में नाकाम है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस चोरों की तलाश में जुटी है।

नीलामी के नतीजे 13 सितंबर को जारी होंगे

नोएडा । हल्के वाहनों की यूपी16डीएक्स सीरीज के आकर्षक और अति आकर्षक नंबरों की दूसरी बार की नीलामी के नतीजे 13 सितंबर को जारी होंगे। लोग परिवहन विभाग की वेबसाइट ६६६.स्त्रं१५ॅल्ल.ॅङ्म५.ल्ल पर नीलामी के नतीजे देख सकते हैं। परिवहन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार पहली बार की नीलामी के नतीजे छह सितंबर को जारी हुए थे। इसके बाद पंजीकरण की प्रक्रिया नौ सितंबर तक चली और दस सितंबर से नीलामी शुरू होगी। एआरटीओ प्रशासन डॉ.सियाराम वर्मा ने कहा कि दूसरी बार की नीलामी के नतीजे जारी होने के बाद बचे नंबर पहले आओ, पहले पाओ की तर्ज पर वाहन मालिक बुक कर सकते हैं। इसमें जो व्यक्ति पहले नंबर बुक कर लेगा, उसके वाहन के लिए उसे आवंटित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सामान्य पसंदीदा नंबरों को भी बुक कराने का मौका है। इसमें दोपहिया वाहन के लिए एक हजार रुपये और चार पहिया वाहन के लिए पांच हजार रुपये जमा करके बुक करने की सुविधा है। उन्होंने कहा कि यह नंबर आकर्षक नहीं होते हैं लेकिन देखने में लगभग वैसे ही लगते हैं।

प्राधिकरण के दो एसीईओ ने विकास कार्यों का लिया जायजा

ग्रेटर नोएडा। वेस्ट के निवासियों की शिकायत पर प्राधिकरण की एसीईओ मेधा रूपम और अमनदीप डुली ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट का जायजा लिया। इस दौरान सेक्टर 2 में सफाई सुपरवाइजर नदारद मिला, जिसके चलते एसीईओ ने संबंधित फर्म पर पेनल्टी भी लगाई। प्राधिकरण की एसीईओ मेधा रूपम ने वर्क सर्किल-3 के क्षेत्र के अंतर्गत सूरजपुर बिसरख मार्ग, टेकजोन-4 स्थित ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय, 45 मीटर चौड़ी रोड, सेक्टर-2 , राइज पुलिस चौकी मार्ग, कच्ची सड़क मार्ग, दादरी-सूरजपुर मार्ग आदि का भ्रमण किया। एसीईओ ने सिविल, उद्यान, जल, सीवर व स्वास्थ्य विभाग के जनहित के कार्यों को देखा। इस दौरान सेक्टर 2 के निवासियों से विकास कार्यों व समस्याओं पर बातचीत की।

इस दौरान उन्होंने सड़क पर कंस्ट्रक्शन मैटेरियल रखने वालों पर पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए। सेक्टर 2 में भ्रमण के दौरान स्टाफ न मिलने पर मैसर्स बिमलराज आउटसोर्सिंग फर्म पर पेनाल्टी लगाई। एसीईओ ने विकास कार्यों में तेजी लाने व सुधार करने के भी निर्देश दिए। उद्यान विभाग की सेंट्रल वर्ज को ठीक करने, ग्रीन बेल्ट में किए गए पौधारोपण की फेंसिंग कराने के भी निर्देश दिए। एसीईओ मेधा रूपम ने लखनावली स्थित बायो रेमिडिएशन प्लांट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बिल्डर सोसाइटियों द्वारा जनरेट होने वाले कूड़े को इधर-उधर फेंकने पर पर नाराजगी जताई और जन स्वास्थ्य विभाग की टीम से इन सोसाइटियों पर पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए। वहीं एसीईओ अमनदीप डुली ने टेकजोन 7 और मिलक लच्छी गांव का भ्रमण किया। एसीईओ ने टेकजोन-7 में आरसीसी ड्रेन का निर्माण करने और 80 मीटर रोड की कनेक्टिविटी के लिए जमीन अधिग्रहीत करने के निर्देश दिए। ऐसीईओ ने ग्राम सैनी के निवासियों की मांग पर सेक्टर- 12 से ग्राम सैनी के श्मशान घाट तक रास्ते पर अस्थाई इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने के निर्देश दिए। ग्राम वैदपुरा और खोदना खुर्द में अवैध निर्माण पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने इसे तोड़ने के निर्देश दिए और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को कड़ी चेतावनी दी। अमनदीप डुली ने सेक्टर 10 और सेक्टर -12 की क्षतिग्रस्त सड़कों को रिपेयर करने के भी निर्देश दिए।

शांतिपूर्ण जी-20 सम्मेलन के लिए पंजाब में रैड अलर्ट

जालंधर । सीएम भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के अनुसार जी-20 सम्मेलन के शांतिपूर्ण आयोजन को यकीनी बनाने के लिए पंजाब में रैड अलर्ट जारी कर दिया गया है। डीजीपी पंजाब गौरव यादव के निर्देशों के अनुसार पुलिस टीमों ने समूह 28 पुलिस जिलों के सभी संवेदनशील स्थानों पर सुबह 9 बजे से सुबह 11 बजे तक फ्लैग मार्च भी निकाला जिसके बाद दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे तक रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों में कार्डन और सर्च ऑप्रेशन भी चलाए। विशेष डीजीपी कानून-व्यवस्था ने बताया कि गजटिड रैंक के अधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने अपने-अपने जिलों के संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला। सभी 28 पुलिस जिलों में 228 संवेदनशील क्षेत्रों को कवर करते हुए 139 फ्लैग मार्च निकाले गए। विशेष डीजीपी ने कहा कि सीपी, एसएसपी को एसपी की निगरानी में राज्य भर के सभी बस स्टैंडों और रेलवे स्टेशनों में और आसपास के इलाकों में विशेष कार्डन और सर्च ऑप्रेशन चलाने के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा कि हमने सभी पुलिस कर्मचारियों को सख्ती से हिदायत की थी कि वह इस कार्रवाई के दौरान हर व्यक्ति के साथ दोस्ताना ढंग और विनम्रता से पेश आएं। उन्होंने कहा कि राज्य के अलग-अलग रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों पर संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने के लिए राज्य भर में डेढ़ हजार से अधिक पुलिस कर्मचारियों वाली करीब 255 पुलिस टीमें तैनात की गई थीं। उन्होंने बताया कि राज्य के 159 बस अड्डों और 131 रेलवे स्टेशनों पर चलाए गए ऑप्रेशन के दौरान करीब साढ़े 3 हजार से अधिक लोगों की चैकिंग की गई।

सीबीडीसी का बढ़ेगा दायरा, आ सकता है डिजिटल रुपी का पायलट प्रोजेक्ट

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक अब डिजिटल रूपी का पायलट प्रोजेक्ट ला सकता है। इसके लिए सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी यानी सीबीडीसी का इंटरबैंक उधार और कॉल मनी मार्केट में पायलट प्रोजेक्ट अक्टूबर में शुरू कर सकता है। आरबीआई के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अजय कुमार चौधरी की ओर से रविवार को यह जानकारी दी गई। होलसेल सीबीडीसी, जिसे डिजिटल रुपी-होलसेल (ई-वीवी) के नाम से भी जाना जाता है। इसे एक नवंबर, 2022 को लॉन्च किया गया था। फिलहाल इसका इस्तेमाल गवर्मेंट सिक्योरिटीज में लेनदेन के लिए सेकेंडरी मार्केट में किया जा रहा है। जी20 शिखर सम्मेलन में आए चौधरी की ओर से कहा गया कि आरबीआई होलसेल सीबीडीसी को कॉल मार्केट में इस महीने या अगले महीने लॉन्च किया जा सकता है। यहां गौरतलब है ?कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से सीबीडीसी को शुरू करने का एलान वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में किया गया था। आरबीआई की ओर से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, यस बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एचएसबीसी को होलसेल पायलट प्रोजेक्ट के लिए चुना है। गौरतलब है ?कि सेंट्रल बैंक की ओर से सीबीडीसी के रिटेल अवतार का पायलट प्रोजेक्ट एक दिसंबर, 2022 को शुरू किया गया था। सीबीडीसी भारत की पेपर करेंसी का ही डिजिटल अवतार है। इसे आरबीआई से पेपर करेंसी की तरह से मान्यता प्राप्त होती है। जी20 शिखर सम्मेलन में आरबीआई की ओर से भारत की डिजिटल क्रांति को प्रदर्शित किया गया है। फ्रिक्शनलेस क्रेडिट के लिए पब्लिक टेक प्लेटफॉर्म (पीटीपी), सीबीडीसी, यूपीआई वन वर्ल्ड, रुपे ऑन-द-गो और भारत बिल पेमेंट सिस्टम शामिल हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुई जो बाइडेन के साथ शेख हसीना की सेल्फी

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना भी भारत पहुंची हुई हैं। जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान जो बाइडेन ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री के साथ सेल्फी ली। इसकी एक तस्वीर अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। सेल्फी में अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडेन और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री हंसते हुए दिखाई दे रहे हैं। सेल्फी के साथ ही दोनों नेताओं ने इस पल को संजो कर रख लिया है। गौरतलब है कि भारत 9-10 सितंबर को राष्ट्रीय राजधानी में नवनिर्मित भारत मंडपम में जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी की है। शिखर सम्मेलन में यूरोपीय संघ के 30 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष और शीर्ष अधिकारी और आमंत्रित अतिथि देशों और 14 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों ने भाग लिया हैं।

नौसेना के गोताखोरों ने बचाई नौका के साथ डूबे 20 लोगों की जान

कन्नूर । उत्तरी केरल जिले के मुजप्पिलनगढ़ के धर्मदोम में 20 लोगों को ले जा रही एक नौका पलट गई। लेकिन भारतीय नौसेना के गोताखोरों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए यात्रियों को सुरक्षित किनारे तक पहुंचाने में मदद की। मिली जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना चैंपियंस बोट लीग-23 रेस के बीच हुई। यहां पर विभिन्न प्रतिभागी नाव में सवार थे। नौसेना ने कहा कि रेस के दौरान, प्रतिभागियों को ले जा रही एक नाव पानी में डूब गई और पलट गई। सुरक्षा उपायों की निगरानी के लिए तैनात नौसेना की दक्षिणी कमान के गोताखोरों की टीम ने त्वरित कार्रवाई की। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) ने 'एक्स पर लिखा, आज धर्मदोम, मुजप्पिलनगढ़ में आयोजित चैंपियंस बोट लीग -23 रेस के बीच 20 प्रतिभागियों की एक नाव पलट गई। भारतीय नौसेना के गोताखोर त्वरित कार्रवाई करते हुए पानी में कूद गए। उन्होंने बचाव अभियान की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा कीं हैं।

राष्ट्रपति गुजरात विधानसभा की एनईवीए परियोजना का करेंगी उद्घाटन

अहमदाबाद । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आगामी 13 सितंबर को गुजरात विधानसभा की राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन (एनईवीए) परियोजना का उद्घाटन करेंगी। इस दौरान वह विधायकों को संबोधित भी करेंगी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। गुजरात विधानसभा सचिव डी.एम. पटेल ने कहा कि राष्ट्रपति विधानसभा को कागज रहित बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वन नेशन, वन एप्लीकेशन की अवधारणा पर लागू की गई परियोजना एनईवीए का उद्घाटन करेंगी और फिर विधायकों को संबोधित करेंगी। पटेल ने एक वीडियो बयान में कहा कि विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी ने राष्ट्रपति मुर्मू को परियोजना का उद्घाटन करने और 13 सितंबर से शुरू होने वाले 15वीं विधानसभा के तीसरे सत्र के दौरान सदन को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया है।

आरएसएस और वीएचपी संभालेगी रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की व्यवस्था

अयोध्या । यूपी के अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की बांगडोर आरएसएस व वीएचपी संभालेगी। इसके लिए आयोजन की ?तिथि भी तय हो गई है। अब राम भक्तों का इंतजार खत्म होने जा रहा है। राम मंदिर के गर्भगृह में अगले साल 22 जनवरी को भगवान राम की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में पीएम मोदी समेत देश विदेश के तमाम संत धर्म आचार्य मौजूद रहेंगे। मंदिर के भूतल का 80 प्रतिशत निर्माण हो चुका है। राम मंदिर का निर्माण 2025 तक पूर्ण होगा। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की तैयारियां की जा रही है। इसकी पूरी व्यवस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद के हाथों में होगी। गौरतलब है कि राम मंदिर के निर्माण का काम पूरा कराने वाले राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि दो दिनों तक देश भर में राममय माहौल बनाने की रणनीति पर चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि विश्व हिंदू परिषद के शीर्ष पदाधिकारी अयोध्या में 10 और 11 सितंबर को जुटेंगे। ट्रस्ट प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के शुरुआती दिनों में देश भर से लगभग 5 करोड़ लोगों को अयोध्या लाने की योजना पर काम कर रहा।

चंपत राय ने कहा कि एक मंदिर से करीब 100 परिवार का जुड़ाव है। मंदिरों से जुड़े लोगों को आधार बनाकर रणनीति पर तैयारी चल रही है। देश के 2 लाख गांवों तक पहुंचना चुनौती है। मंदिर में देश विदेश से भी मेहमान आने वाले है। जिनकी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएगा। राम मंदिर में आने वाले मेहमानों के लिए रहने की भी खास व्यवस्था की जाएगी। शहर के अधिकांश होटल और धर्मशाला के कमरे फुल हो गए हैं। 20 से 24 जनवरी यानी 5 दिन के लिए कमरे बुक हैं। होटल और धर्मशालाओं से जुड़े लोगों का कहना है कि अयोध्या में करीब 4000 कमरे बुक हो चुके हैं। मेहमानों को ठहराने के लिए कुंभ की तर्ज पर हाईटेक सुविधाओं से लैस टेंट सिटी का निर्माण हो रहा है।

भारतीय पर्यटकों विशेष मलेशियान पैकेज

गोवा - मलक्का के बीच सांस्कृतिक, पर्यटन संबंधों को बढ़ावा देने के लिए उत्सुक : नोरीया

संस्कार उजाला

पणजी। पर्यटन मलेशिया पर्यटन और सांस्कृतिक क्षेत्रों पर भारत और मलेशिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए उत्सुक है और गोवा और मलेशिया के मेलाका प्रांत के बीच उनकी सांस्कृतिक और सांस्कृतिक विशेषताओं के कारण जुड़वां शहरों और सहयोगी शहरों के अवसरों का पता लगाएगा। विरासत समानताएँ. मुंबई में मलेशिया के महावाणिज्य दूत अहमद जुवैरी युसॉफ ने बातचीत सत्र में बताया "हम दोनों देशों के बीच पर्यटन के अवसरों के माध्यम से भारत और गोवा के बीच अच्छे संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं। गोवा उन शहरों में से एक है (जहां) हमारा लक्ष्य मलेशिया में आने वाले पर्यटकों के लिए एक बाजार प्राप्त करना है। मलेशिया और भारत के बीच अच्छे द्विपक्षीय संबंध हैं और उनमें से एक पर्यटन है और हम सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं रहना चाहते। हम इसमें और सुधार करना चाहते हैं. बेशक गोवा हमारे दिमाग में है - हमें और अधिक जानने की जरूरत है। यह कुछ ऐसा है जिसका हम विस्तार करना चाहते हैं, हम विस्तार के लिए तत्पर हैं ॥ पर्यटन मलेशिया के अंतर्राष्ट्रीय संवर्धन प्रभाग के वरिष्ठ उप निदेशक, मोहम्मद अमीरुल रिजल बी अब्दुल रहीम ने कहा, ॥हम गोवा से सीखना चाहते हैं, जो एशिया का एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी है। अफोंसो डी अल्बुकर्क के कारण मलेशिया में बहुत से लोग गोवा से परिचित हैं, जो पहले गोवा आए और फिर मलक्का (आज का मेलाका) पर विजय प्राप्त की। हम दोनों स्थानों के बीच सांस्कृतिक साझेदारी और आदान-प्रदान का पता लगाना चाहते हैं। हम दोनों शहरों के बीच सीधी उड़ानों के साथ-साथ सांस्कृतिक रूप से भी दोनों शहरों को बढ़ावा देने की उम्मीद करते हैं," जो एक प्रचार दौरे के हिस्से के रूप में गोवा में हैं, ने अपने विचार साझा किए। अमीरुल अब्दुल रहीम के अनुसार, मलेशिया, जहां 2019 में 435,000 भारतीय पर्यटक आए थे, को महामारी के बाद पहली बार इस साल 500,000 भारतीय पर्यटकों को पार करने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा कि, हमें विश्वास है कि हमें मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के कारण हम इस आंकड़े को पार कर लेंगे। भारतीय पर्यटकों के बीच मलेशिया को एक गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के लिए हम आए हैं। टूरिज्म मलेशिया ने इस साल 14 से 26 अगस्त 2023 तक छह द्वितीय श्रेणी के शहरों में भारत के लिए अपना दूसरा रोड शो जारी रखा है। रोड शो अमृतसर शहर में शुरू होगा और उसके बाद लखनऊ, नागपुर, पुणे, गोवा और कोचीन में शुरू होगा। टूरिज्म मलेशिया के मुंबई कार्यालय प्रमुख नोरीया जाफर भी मौजूद थे, जिन्होंने गोवा के उन लोगों को हरसंभव मदद देने का वादा किया जो मुंबई कार्यालय के माध्यम से मलेशिया जाना चाहते हैं। पर्यटन, कला और संस्कृति उप मंत्री, वाईबी तुआन खैरुल फिरदौस अकबर खान के नेतृत्व में, रोड शो में 45 स्थानीय संगठनों ने भाग लिया, जिसमें होटल और रिसॉर्ट्स, ट्रैवल एजेंट, पर्यटन उत्पाद मालिक, वीजा सलाहकार, मलेशिया स्थित एयरलाइंस और प्रतिनिधि शामिल हैं। राज्य पर्यटन बोर्ड मलेशिया का लक्ष्य इस दूसरी श्रृंखला के माध्यम से देश में अपने प्रचार प्रयासों का और विस्तार करना है। दो सप्ताह तक चलने वाला रोड शो बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) सत्रों, सेमिनारों सहित नेटवर्किंग कार्यक्रमों से भरा हुआ है, और शादी, गोल्फिंग, फिल्मांकन और खरीदारी जैसे विशिष्ट क्षेत्रों पर जोर दिया गया है। इसके अलावा, रोड शो मलेशिया पर्यटन के लिए अगले प्रत्याशित यात्रा मलेशिया वर्ष को उजागर करने के लिए एक मंच के रूप में भी कार्य करता है जो 2026 में होने वाला है। भारत मलेशिया में पर्यटकों के आगमन में योगदान देने वाले शीर्ष देशों में बना हुआ है। 2022 में, मलेशिया ने कुल 324,548 भारतीय पर्यटकों का स्वागत किया, जबकि 2023 की पहली तिमाही में, मलेशिया में 164,566 पर्यटक आए। पिछले वर्ष की समान अवधि में भारतीय पर्यटकों की संख्या 13,370 थी। वर्तमान में, मलेशिया एयरलाइंस, बाटिक एयर, एयरएशिया और इंडिगो के माध्यम से भारत और मलेशिया के बीच साप्ताहिक 30,032 सीटों वाली 158 उड़ानें उपलब्ध हैं। भारतीय पर्यटक अब https://malaysiavisa.imi.gov.my/evisa/evisa.jsp के माध्यम से मलेशिया के ेश्क्रअ मल्टीपल एंट्री वीजा (MEV) के लिए आवेदन कर सकते हैं। (करण समर्थ - आयएनएन भारत मुंबई)

मोदी सरकार के सिर चढ़कर बोल रहा अहंकार: प्रियंका

-लोकतंत्र में जनता ही भगवान होती है, केन्द्र की सरकार में धनवानों की हो रही जयजयकार

-गहलोत बोले भाजपा लोकतंत्र का झूठा मुखौटा पहनकर में सत्ता आ गई

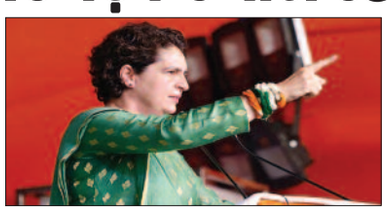

जयपुर (एजेंसी)। कांग्रेस की महासचिव और पार्टी द्वारा चुनावी प्रचार कैम्पेन की नेत्री प्रियंका गांधी ने आज राजस्थान के टोंक निवाई के स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल में आयोजित सरकार द्वारा मोबाइल वितरण कैम्प में उमडी विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए अपनी ही कांग्रेस की गहलोत सरकार द्वारा चलाई गई निशुल्क चिंरजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, मुफ्त ईलाज योजना, इंदिरा गांधी रसोई में आठ रूपये में खाना, अन्नपूर्णा फूड पैकेट वितरण योजना, को सफल बताते हुए केन्द्र की मोदी सरकार पर सीधा निशाना साधा उन्होने कहा कि मोदी सरकार के आठ-नौ साल के शासन में देश और प्रदेशो में विपक्षी दलों की सरकारों को विभिन्न तरीको से गिराकर केन्द्र सरकार केवल सत्ता में बने रहने की वजह से अहंकारी हो गई है अहंकार इतना है कि उन्हें देश में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार दिखाई नहीं देता नतीजा यह है कि बल्कि इसके उलट अहंकार के वशीभूत अपने ही सत्ता में आने से पहले दिए जाने वाले रोजगार देगे, महंगाई कम करेंगे भ्रष्टाचार को खत्म करेंगे देश की एकता, अखण्डता को अक्षुण रखेंगे समाज के सभी तबको को अधिकार देंगे इसके लिए उन्होने सबका साथ सबका विकास का नारा दिया जो आज झूठा साबित हो रहा है। प्रियंका गांधी ने कहा कि भाजपा नेताओं के सत्ता का घमंड आ गया है महंगाई की मार झेल रही जनता केन्द की सरकार को जनता की फ्रि नहीं अशोक गहलोत सरकार ने सही मायने में जनता को गणेश मानते हुए और महंगाई से राहत देने के लिए पेट्रोल, गैस, सिलेंडर में 500 रूपये की छूट महंगाई राहत कैम्प लगाकर दी है तो इसमें भी केन्द्र सरकार की नियत में खोट नजर आ रहा है उन्होने कहा कि लोकतंत्र में जनता ही सरकार की असली मालिक है जबकि मोदी सरकार देश के चुनिंदा उद्योगपतियों के लिए सरकार और संविधान में निहित जनता के सभी हको पर सत्ता के घमंड में चकनाचूर हको पर डाका डाल रहे है पुरानी पेंशन योजना का जिक्र करते हुए कहा कि कर्मचारियों का हक मारने की कोशिश में अग्निवीर योजना लेकर आये जबकि हिमाचल, राजस्थान, कर्नाटक में जहां कांग्रेस की सरकार बनी वहां जनहित की घोषणा पत्र के द्वारा जारी की गई उन सभी योजनाओं किसान का कर्ज माफ, ग्रहिणयों को मुफ्त चावल योजना लागू की गई वहीं राजस्थान में भी अशोक गहलोत अपनी सरकार का हर फैसला जनहितार्थ ले रहा है। प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तीखी आलोचना करते हुए जनहितों को केन्द्र बिन्दु बनाया और कहा कि आज प्रधानमंत्री को केवल और केवल सत्ता में बने रहने के लिए संविधान की उपेक्षा और लोकंत्र का अपमान करने का मौका नहीं चूक रहे है लोकतंत्र में संघीय व्यवस्था सर्वोपरि है पर मोदीजी की शासन शैली से इस व्यवस्था हो रहा है। प्रियंका ने कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार की विचारधारा को दो धुव्री बताते हुए कहा कि आज हिमाचल में प्राकृतिक आपदा में केन्द्र सरकार जितनी मदद की जरूर है उतनी नहीं दे रही है।

भाजपा लोकतंत्र का झूठा मुखौदा पहनकर में सत्ता आ गई :- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र की मोदी सरकार पर जमकर बोला कहा कि 9 साल पहले सत्ता में आने की गरज से लोकतंत्र की लाखों दुहाई दी और जनता को लाखों बार झूठ बोलकर सत्ता में आ गए और आज 9 साल बाद भी झूठ बोलने की आदत नहीं छोडी है। गहलोत ने कहा कि भय, भुख, भ्रष्टाचार सबका साथ सबका विकास का नाम लेकर केन्द्र पर राज करने वाली मोदी सरकार ने इसके ठीक उलट काम करना शुरू कर दिया है जिसके तहत विपक्ष को खत्म करने के लिए ईडी, इनकम टैक्स का सहारा ले रही है जबकि कांग्रेस की हमारी सरकार गुड गवर्नेंस देकर जनता को सरकार का मालिक होने का असली हकदार मानकर योजनाओं को अमलीजामा पहना रही है। मैने प्रदेश को चहुमुंखी विकास के लिए मिशन 2030 लक्ष्य लेकर राय मांगी थी जिसमें 50 लाख लोगों ने अब तक अपनी राय दे दी है मै जब तक चैन से नहीं बैठूंगा जब तक राज्य में मिशन 2030 के परिणाम दिखाई देने लगे।

धोती के साथ हब्लोट घड़ी पहनने वाला हर कोई समाजवादी नहीं

-कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बीके हरिप्रसाद ने सीएम सिद्धरमैया पर साधा निशाना

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बीके हरिप्रसाद ने सीएम सिद्धरमैया पर निशाना साधा है। उन्होंने शनिवार को कहा कि धोती के साथ हब्लोट घड़ी पहनने वाले कुछ लोग समाजवादी होने का दावा नहीं कर सकते और कोई देवराज उर्स (सामाजिक सुधारों के लिए जाने जाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री) की कार में बैठकर उनकी तरह नहीं बन सकता। उनकी इस टिप्पणी को मुख्यमंत्री सिद्धरमैया पर परोक्ष हमला माना जा रहा है। हालांकि हरिहप्रसाद ने अपने भाषण के दौरान किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके द्वारा दिए गए संदर्भों से स्पष्ट था कि उनके निशाने पर सिद्धरमैया थे। उन्होंने जी परमेश्वर (मौजूदा सरकार में गृहमंत्री) जैसे दलित नेता को मुख्यमंत्री पद के लिए और अनुसूचित जनजाति से आने वाले सतीश जारकीहोली जैसे नेता के नाम पर उपमुख्यमंत्री पद के लिए कांग्रेस द्वारा विचार नहीं किए जाने पर भी नाराजगी व्यक्त की। विधान पार्षद (एमएलसी) हरिप्रसाद के बारे में माना जाता है कि वह राज्य मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किए जाने से कुछ समय से नाराज हैं। वह 'समान विचारधारा वाले सबसे पिछड़े वर्गों जैसे - एडिगा, बिलावा, नामधारी और दीवारा जैसे अन्य समुदायों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

हरिप्रसाद के बयान पर प्रतिक्रिया देने को लेकर अनिच्छुक सिद्धरमैया ने धारवाड़ में संवाददाताओं से कहा कि क्या उन्होंने मेरा नाम लिया है? मैं सामान्य तौर पर दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया नहीं दूंगा। सामाजिक सुधारों की वजह से प्रसिद्ध पूर्व मुख्यमंत्री देवराज उर्स का नाम पार्टी नेताओं द्वारा बार-बार लिए जाने पर किसी का नाम लिए बिना तंज कसते हुए हरिप्रसाद ने कहा कि उनके पोते को एमएलसी तक नहीं बनाया गया है। उन्होंने कहा कि देवराज उर्स की कार में बैठकर कोई देवराज उर्स नहीं बन सकता, उनकी सोच और उनकी विचारधाराओं को क्रियान्वित करने की दिशा में काम होना चाहिए।

चीन का आरोप, जी20 में भारत ने की अपने एजेंडे को मनवाने की कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक ओर जहां भारत की तारीफ हो रही है,वहीं दूसरी आरे चीन ने जी20 सम्मेलन को लेकर भारत पर अपना एजेंडा मनवाने का आरोप लगाया है। जानकार बता रहे हैं कि भारत का दम देखकर चीन एक बार फिर चिढ़ गया है। यहां तक कि शी जिनपिंग ने दिल्ली आने से इनकार भी कर दिया। अब कि जब पहले ही दिन भारत ने नई दिल्ली घोषणापत्र जारी कर दिया तो इससे दुनियाभर में देश की मजबूती खुलकर सामने आ गई। दूसरी ओर अफ्रीकी यूनियन को भी भारत के ही प्रयास से जी20 में जगह मिल गई जो कि चीन के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। इन्हीं बातों से चिढ़े चीन का कहना है कि जी20 में भारत अपना अजेंडा मनवाने और चीन को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है।

चीन ने कहा कि एक वैशिक प्लैटफॉर्म पर भारत अपना निजी फायदा तलाश रहा है। भारत जी20 को लेकर अपनी जिम्मेदारी निभाने में नाकामयाब है। वह जो भी कर रहा है उससे स्थितियां और खराब होने वाली हैं। भारत ने रणनीतिक और वैचारिक स्तर पर गड़बड़ी की है। इसके अलावा विवादित इलाके में बैठकें करके उसने लाइमलाइट लेने की कोशिश की है। बता दें कि श्रीनगर में जी20 की बैठक को लेकर चीन ने पहले भी आपत्ति की थी। हालांकि चीन की तरफ से जी20 सम्मेलन में ली कियांग शामिल हुए हैं। इस सम्मेलन में शी जिनपिंग के ना आने को लेकर भी प्रधानमंत्री मोदी ने सवाल उठाए थे।

बता दें कि भारत और चीन के बीच सीमा विवाद गलवान घाटी की घटना के बाद चरम पर है। भारत पहले भी कह चुका है कि सीमा पर स्थिति नाजुक और जोखिमभरी है। इसके अलावा भारत ने आर्थिक स्तर पर चीन की कमर तोड़ने में कसर नहीं छोड़ी है। जो बाइडेन ने भी चीनी राष्ट्रपति की गैरमौजूदगी पर निराशा जताई थी। चीन ने कहा कि भारत चीन की कर्ज जाल में फंसाने वाले देश की छवि बना रहा है। इसके अलावा भारत अमेरिका और पश्चिमी देशों से करीबी बढ़ा रहा है। भारत के ये प्रयास दुनियाभर को मुसीबत में डालने वाले हैं।

डीएमके का पलटवार, इंडिया का नाम बदलने की योजना में आरएसएस का हाथ

चेन्नई (एजेंसी)। डीएमके ने कहा है कि इंडिया का नाम बदलकर भारत करने के पीछे आरएसएस की महात्वाकांक्षा है। जब इंडिया के बजाए भारत लिखा तो तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन उस समय प्रतिक्रिया देने वाले पहले लोगों में से थे। उन्हें जब यह पता चला कि जी20 प्रतिनिधियों को दिया गया निमंत्रण पारंपरिक प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया के बजाय प्रेसीडेंट ऑफ भारत की ओर से था इसे केंद्र सरकार द्वारा देश का नाम इंडिया से बदलकर भारत करने का कदम माना गया। स्टालिन ने कहा कि 2014 में सत्ता में आने के बाद से पिछले नौ वर्षों में, देश के प्रति नरेंद्र मोदी सरकार का एकमात्र योगदान शायद नाम को इंडिया से बदलकर भारत करने का विचार है। तमिलनाडु पर शासन कर रही डीएमके कई मुद्दों पर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के साथ टकराव की स्थिति में है।

स्टालिन ने सोशल मीडिया पर यह भी कहा कि विपक्षी गुट ने अपने गठबंधन का नाम इंडिया रखा है और इस नाम ने भाजपा को परेशान कर दिया है, इसके कारण वह देश का नाम बदलने पर विचार कर रही है। डीएमके के उप महासचिव और थूथुकुडी से सांसद कनिमोझी करुणानिधि, जो मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की बहन भी हैं ने कहा कि आरएसएस पूरे देश के लिए एजेंडा तय कर रहा है। गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के बजाय गवर्नमेंट ऑफ भारत का उपयोग अभूतपूर्व था और इस तरह के राजनीतिक कदम का कोई कारण नहीं था। ऐसा लगता है कि केंद्र सरकार आरएसएस और उसके प्रमुख मोहन भागवत के कहे का पालन कर रही है और जी20 प्रतिनिधियों को निमंत्रण इसका स्पष्ट संकेत है। उन्होंने कहा कि आरएसएस प्रमुख ने पहले कहा था कि इंडिया का नाम बदलना होगा और सरकार उसका अनुसरण कर रही है।

हालांकि डीएमके इंडिया से नाम बदलकर भारत करने के सरकार के कदम को भुनाने की कोशिश कर रही है और राज्य भर में जागरूकता कार्यक्रम चला रही है। उसका कहना है कि बीजेपी आरएसएस के एजेंडे के मुताबिक आगे बढ़ रही है। कनिमोझी का यह बयान कि आरएसएस देश के लिए एजेंडा तय कर रहा है, इस बात का स्पष्ट संकेत है कि डीएमके तमिलनाडु में अपने अभियान को कैसे आगे बढ़ाएगा। तमिलनाडु की सभी 39 लोकसभा सीटें जीतने की उम्मीद करने वाली एक राजनीतिक पार्टी के रूप में, डीएमके केंद्र में भाजपा सरकार के खिलाफ आक्रामक रूप से आगे बढ़ेगी। नाम बदलकर भारत करने का सरकार का कदम डीएमके के एजेंडे में होगा। वरिष्ठ नेताओं की प्रारंभिक प्रतिक्रियाओं से संकेत मिलता है कि पार्टी अपने प्रमुख बिंदुओं में से एक के रूप में नाम परिवर्तन में आरएसएस के कोण पर ध्यान केंद्रित करेगी।

एमपी में शिवराज सिंह चौहान ने किया बड़ा ऐलान, 60प्र. से अधिक लाने वाले छात्रों को मिलेंगे 25 हजार रुपये

ग्वालियर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को इस साल नवंबर में प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में जिताने की अपील करते हुए कहा कि उनकी सरकार फिर से आने पर वह अगले साल से 12वीं कक्षा में 60 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले छात्रों को 25,000 रुपये देंगे। वर्तमान में 12वीं कक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रदेश के विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए 25,000-25,000 रुपये दिए जा रहे हैं।

इसके अलावा, उन्होंने कहा कि गांव और शहर के स्कूल में जो बच्चे प्रथम, द्वितीय, तृतीय रैंक लाएंगे उन्हें स्कूटी की जाएगी। यह ऐलान चौहान ने ग्वालियर में 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' के लिए आयोजित कार्यक्रम में कही। चौहान ने कहा, ''अगले साल से हमारे बच्चे 12वीं में 60 प्रतिशत से अधिक नंबर लाएंगे तो मामा (शिवराज सिंह चौहान) 25,000 उनके खातों में डालेगा। गांव और शहर के स्कूल में जो बच्चे प्रथम, द्वितीय, तृतीय रैंक लाएंगे उन्हें मामा स्कूटी दिलाएगा।'' इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने ग्वालियर में सांकेतिक बटन दबाकर1.31 करोड़ महिलाओं को 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' के अंतर्गत 1,269 करोड़ रुपये की राशि का अंतरण भी किया।

इस योजना के तहत प्रदेश की महिलाओं को इस साल जून से प्रतिमाह 1,000 रुपये दिए जा रहे हैं। चौहान ने कहा, ''मेरी लाड़ली बहनो, आपके खातों में खुशियों की चौथी किस्त आज डाल दी है। ये यात्रा यहीं नहीं रुकेगी, अक्टूबर से मेरी सभी 1.31 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1,250 रुपये की राशि डाली जाएगी और धीरे-धीरे इसे बढ़ाकर 3,000 रूपये प्रतिमाह किया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि यह मेरा संकल्प है कि अपनी बहनों की आंखों में आंसू नहीं रहने दूंगा, आपके चेहरे पर मुस्कुराहट लाना ही मेरा लक्ष्य है। इसी ध्येय के साथ मैंने लाड़ली बहना योजना बनाई है। चौहान ने कहा, ''मेरी लाड़ली बहनो, तुम्हें कच्चे घरों में ना रहना पड़े, इसलिए मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना बना दी है। अब सभी लाड़ली बहनों के पक्के आवास बनाए जाएंगे।

हेयर स्टाइल थोड़ा सा परिवर्तन बदल दे लुक

हेयर स्टाइल आपके व्यक्तित्व को आकर्षक बनाता है। प्राय: महिलाएं यही सोचती हैं कि अगर हेयर स्टाइल में थोड़ा परिवर्तन करेंगी तो उन्हें सूट नहीं करेगा और वे सारी उम्र एक ही हेयर स्टाइल से चिपकी रहती हैं पर ऐसा नहीं है। हेयर स्टाइल में भी परिवर्तन जरूरी है। आप स्वयं आजमा कर देख सकती हैं कि जरा सा परिवर्तन आपकी लुक को ही बदल देगा। हेयर स्टाइल में परिवर्तन आपको आकर्षक बना सकता है और अनाकर्षक भी। आकर्षक तो सभी दिखना चाहेंगे पर अनाकर्षक कोई नहीं इसलिए हेयर स्टाइल में परिवर्तन से पूर्व यह ध्यान दें कि जो हेयर स्टाइल फैशन में है वह आप के ऊपर सूट करेगा भी या नहीं इसलिए किसी अच्छे ब्यूटी पार्लर में जाकर हेयर एक्सपर्ट से सलाह लें। हेयर स्टाइल में परिवर्तन करते समय यह भी ध्यान रखें कि जो भी हेयर स्टाइल अपना रही हैं वह बनाने में आसान हो और उसकी देखभाल में भी आपका ज्यादा समय बर्बाद न हो। प्राय: लंबे बालों की देख रेख करना मुश्किल होता है इसलिए महिलाएं चोटी करके उनको संवार लेती हैं पर आजकल महिलाएं घरों से बाहर नौकरी पर जाती हैं और नौकरी पेशा महिलाएं अधिकतर शार्ट हेयर अपनाती हैं। शार्ट हेयर कट का अपना ही फायदा है। यह आपको माडर्न दिखाता है और आज हर महिला माडर्न दिखाना चाहती है। शार्ट हेयर कट की संभाल व संवार आसान है। शार्ट हेयर कट में ब्लंट व रेजर जो बहुत ही लोकप्रिय हैं ही, लंबे बालों का भी अपना आकर्षण है। इसमें भी विविधता भरे स्टाइल बनाकर आप अपने लुक में विविधता ला सकती हैं। कभी जूड़ा, कभी चोटी, कोई भी स्टाइल अपना कर खुद को नए अंदाज में पेश करें। हेयर कट आपकी कमियों को भी छुपा देते हैं जैसे अगर आपके कान बड़े व लंबे हैं तो आप ऐसा हेयरकट अपनाएं जो आपके कानों को ढक दें। हेयरकट आपके पूरे व्यक्तित्व को बदल देता है इसलिए हेयरकट किसी अच्छी हेयर एक्सपर्ट से ही करवाएं। हेयर एक्सपर्ट से सलाह भी लें कि वाकई जो हेयरकट आप करवाने जा रही हैं वह आप पर जंचेगा भी या नहीं। आजकल हेयरस्टाइल की संभाल संवार के लिए कंडीशनर, रोलर्स, स्प्रे, जैल आदि बहुत से सौंदर्य प्रसाधन उपलब्ध हैं। उनके उपयोग की जानकारी भी ले लें और जानकारी के अनुरूप अपने हेयर स्टाइल को संवारें।

फजी केक

सामग्री: मक्खन 2/3 कप, चीनी 1-3/4 कप, वनीला एसेंस 1 छोटा चम्मच, मैदा 1-3/4 कप, कोको पावडर 3/4 चम्मच, बेकिंग सोडा 1-1/2 छोटा चम्मच, नमक 1 छोटा चम्मच, बटर क्रीम 1-1/2 कप, किशमिश 100 ग्राम।

डेकोरेशन के लिए: चॉकलेट, कीवी स्लाइस और गूदा, सूखे मेवे, स्ट्रॉबेरी।

विधि: 350 डिग्री पर अवन गर्म करें। दिल के आकार के बेकिंग ट्रे को ग्रीस करें। मक्खन और चीनी को एक बर्तन में मध्यम गति से हल्का और फूलने तक फेंटें। इसमें वनीला और दूध मिलाकर दोबारा अच्छी तरह फेंटें। अब मैदा, कोको पावडर, बेकिंग सोडा और नमक इसमें मिला लें। इसे मक्खन के मिश्रण में मिलाकर क्रीम डालें और तीन मिनट तक फेंटकर पहले तैयार किए गए ग्रीस्ड बर्तन में डालें। इसे 30-40 मिनट तक बेक करें। बेकिंग ट्रे से निकालकर 10 मिनट के लिए ठंडा होने रख दें। केक के ऊपर और किनारों पर क्रीम फैलाएँ। कीवी स्लाइस, मेवे, स्ट्रॉबेरी स्लाइस और चॉकलेट के लच्छों से डेकोरेट करें।

जड़ी-बूटियां भी फायदेमंद

- डायरिया होने पर कंटूरी नाम की पत्तियों का जूस निकाल लें। दो छोटे चम्मच जूस को आधा कप दही में मिला कर दिन में दो-तीन बार लें।
- डायरिया व आंत की अन्य तकलीफों में गाजर का गर्म सूप बेहद फायदेमंद रहता है।
- उल्टी होने पर बरगद की नरम जड़ों को अच्छे से क्रश कर लें। अब एक बड़ा चम्मच पाउडर को एक गिलास पानी में दस मिनट के लिए भिगो दें। छान कर गुनगुना करके पिएं।
- पेचिश होने पर कोरई के बीजों को पीस कर पाउडर बना लें। अब एक चौथाई से आधा चम्मच पाउडर गर्म पानी में मिला कर रोज पिएं।

साड़ी वही जो पिया मन भाए

बनारस की जरीदार सिल्क साड़ी हो या तमिलमाडु की कांचीपुरम साड़ियां, जो अमूमन गहरे रंगों की होती हैं या फिर मैसूर की क्रेप सिल्क साड़ी, सभी का जादू सिर चढ़कर बोलता है। सिल्क साड़ी की बात होती है तो बनारस के कारीगरों का जिक्र लाजिमी है क्योंकि इनका डंका न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में बजता है। दुलहन के लिए या फिर किसी खास पार्टी में जाने के लिए गहरे लाल और महरून रंग की साड़ियां अत्यावश्यक मानी जाती हैं। विवाह में शामिल होने वाली महिलाओं की पहली पसंद होती है कांचीपुरम साड़ी, जो थोड़े मोटे सिल्क से बनती है। इसकी खास पहचान है बुने हुए बार्डर तथा बिल्कुल अलग पैटर्न के पल्लू। पारंपरिक दक्षिण भारतीय परिवारों में केवल सोने के गहने ही नहीं बल्कि कांचीपुरम साड़ियां भी एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को सौंपी जाती हैं।

बदलते समय के अनुसार हो सकता है कि कुछ आधुनिक दुलहनों को पारंपरिक बनारसी और कांचीपुरम साड़ियां उतनी न जंचें पर सिल्क साड़ी का मोह तो रहता ही है इसलिए इनकी पसंदीदा हैं हल्की-फुल्की मैसूर सिल्क साड़ियां और क्यों न हों, शारीरिक बनावट को उभारने वाली इन मुलायम साड़ियों में लिपटी सुंदरी बरबस ही मन मोह लेती हैं। बीते बर्षों में मैसूर की क्रेप सिल्क साड़ियों में ज्यादा बदलाव नहीं आया है पर ये इतने विविध रंगों में उपलब्ध हैं कि हर किसी के मन को भाने वाली साड़ी मिल ही जाती है। फिर इन साड़ियों के सुनहरे बार्डर, जो बेहद खूबसूरत डिजाइन के होते हैं, पर भला किसा दिल न आ जाए। आजकल बाजार में लाइक्रा सिल्क, शिफान और अन्य प्रकार के सिंथेटिक बाजार में लाइक्रा सिल्क, सिल्क शिफान और अन्य प्रकार के सिंथेटिक सिल्क की भरमार हो गई है पर पारंपरिक सिल्क के सामने ये सब टिक नहीं पाते।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन का की कू घ ड छ के को हा

अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-5-6-7

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-8-9

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। शुभांक-3-7-9

मीन दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 2942

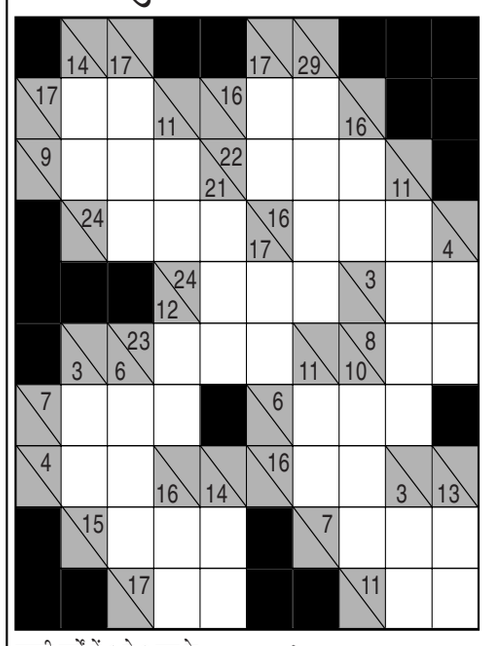

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

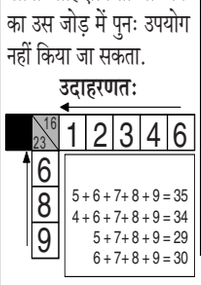

काकुरो - 2941 का हल

			11	22		15	11	
	3 20	17	9	8	14	8	6	12 17
11	1	3	2	5	29 3	7	5	9	8
11	2	9	10 9	9	1	13	11 6	2	9
	9	8	1	10 8	2	4	3	1	
		3 20	2	1	11 9	9	2	22	
	30 8	9	6	7	8	10 7	1	9	3
15	7	8		10	5 13	1	4	9 4	8	1
10	1	3	2	4		11	1	3	5	2
			17	8	9	3	2	1		

हंसी के फव्वारें

दारोगा (रमेश से)- जब तुम्हारे यहां चोरी हुई, उस समय कितना बजा था?

रमेश (दारोगा से)- हम पर चार लट्ठ और हमारे भाई पर दो लट्ठ बजे थे.

दारोगा (रमेश से)- अरे मै घड़ी का पूछ रहा हूं उसमे कितना बजा था?

रमेश (दारोगा से)- साहब घड़ी तो एक ही लट्ठ बजने पर टूट गई.

□ □ □

महेश (संजय से) - मुझे खुशी इस बात की है कि मेरा बॉस एक डॉक्टर है.

संजय (महेश से) - ऐसी क्या खासियत है आपके बॉस में?

महेश (संजय से) - मैं थोड़ा भी बीमार पड़ता हूं, तो वह मुझे फौरन बेड रेस्ट की सलाह दे देता है.

□ □ □

दो मूर्ख वार्तालाप कर रहे थे.

पहला बोला- 'यदि वृक्ष पर हाथी चढ़ जाए और वहां से नीचे उतरना चाहे तो उसे क्या करना चाहिए?'

दूसरा मूर्ख बोला- 'हाथी को वृक्ष की टहनी पर बैठकर पतझड़ के आने की प्रतीक्षा करनी चाहिए.'

□ □ □

राम (मोहन से)- क्या कर रहे हो?

मोहन- दोस्त को पत्र लिख रहा हूं.

राम- लेकिन तुम्हें लिखना नहीं आता.

मोहन (राम से)- तो मेरे दोस्त को कौन सा पढ़ना आता है.

फिल्म वर्ग पहेली- 2942

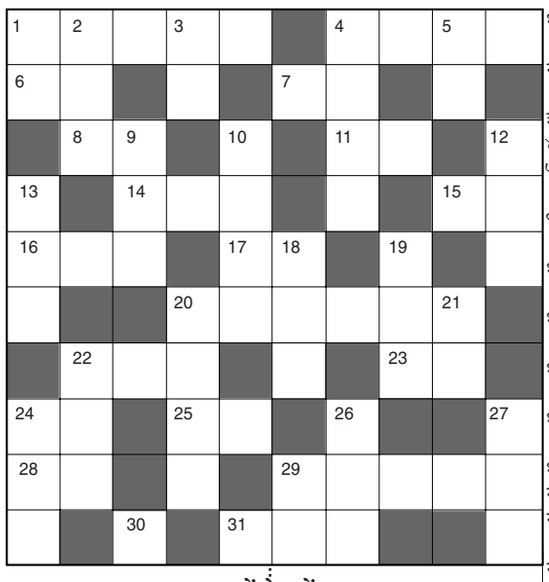

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, जया की 'ये जुल्फ कैसी है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. 'सीमायें बुलाये तुझे' गीत वाली जे.पी.दत्ता की युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी एक मल्टीस्टार फिल्म-२,१,१
६. फिल्म 'साया' में नायिका कौन थी-२
७. 'झमका चाँदी दा' गीत वाली मनोज, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
८. अभिषेक, अंतरा माली की 'बेरंग जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'जीवनमृत्यु' में नायिका थी-२
१४. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फराजखान, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आज मदहोश हुआ जाये' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
१७. संजय कपूर, रवीना, अदिति की 'हंसता है रूलता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'सनन सनन साय साय हो' गीत वाली गोविंदा, रमैया की फिल्म-४,२
२२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तू कल चला' गीत वाली संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम ढिल्लों की फिल्म-२
२४. जैकी, सुनील शेट्टी, डिनो, करिश्मा की 'ऐ सुबह तू' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'हुस्ने जाना इधर आ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-२
२८. देवआनंद, गीता बाली की 'चांदनी रातें प्यार की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जिनके पास हाथी घोड़ा' गीत वाली राजकुमार, लीना की फिल्म-२,१,२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'लड़की जो आए बाजार में' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मनीषा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आआ' गीत वाली संजय दत्त, आफताब, नंदिता की फिल्म-२
२. ऋषिकपूर, माधुरी दीक्षित की 'जाने वो कैसा चोर था' गीत वाली फिल्म-३
३. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
४. अक्षय, करीना कपूर, प्रियंका की फिल्म-४
५. 'दिल दिया है तुझे' गीत वाली अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
९. राहुल बोस, करीना कपूर की 'जाने क्यूं हमको' गीत वाली फिल्म-३
१०. राजकपूर, परवीन की 'आपसा कोई हसीन' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'तोता मैना की कहानी' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१३. मिलिंद सोमण, किरण झवेर की 'जीना है तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'सुलगे हुए हैं' गीत वाली जिमी, इरफान, ऋषिता, नम्रता की फिल्म-३
१९. फिल्म 'अवतार' में राजेश की नायिका ?-३
२०. 'नहीं ये हो नहीं सकता' गीत वाली फिल्म-४
२१. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, मधु, सीमा की 'आई सी यू बेबी' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'रंग और नूर की बारात' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
२४. नसीर, फारूख शेख, स्मिता की फिल्म-३
२६. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२७. शाहरूख, माधुरी की 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2941

जु	दा	ई		उ	त्स	व		जं	ग
मं		मा	सु	म		क्त		ग	
	आ	न		श	नी		दि	ल	से
भा	ई		दे	व		शू	ल		व
	ना			जा	ल		ज	ब	क
भ		श	गु	न		द	ला	ल	
रे	टी		स		दो	स्त		मा	या
सा		जो		आ		क	र्ज		ग
	स	र	फ	रे	श			ना	ना
ह	त्या			प		सं	ग	म	

सूडोकु -2942

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2941 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

शब्द पहेली - 2942

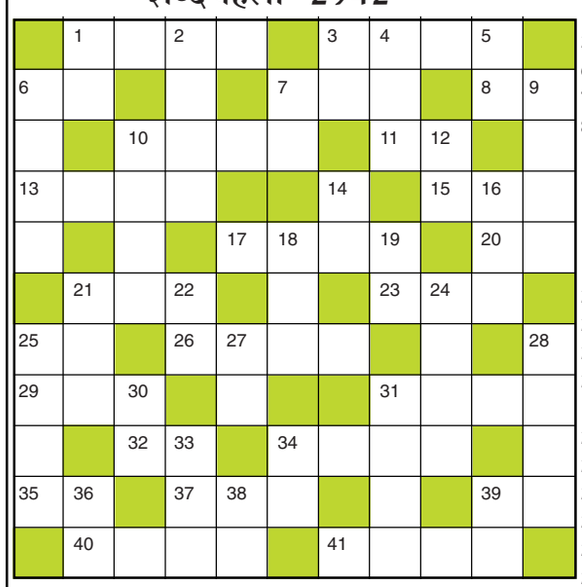

बाएँ से दाएँ

1. जाति,समाज,बुंधता-4
3. स्वयंवर माला,जीत-4
6. चूहे का घर-2
7. स्थिर,टिका हुआ-3
8. पार्थिव देह,लाश-2
10. सुवासित करना-4
11. थोड़ा,कम-2
13. मोटा आटा,दानेदार-4
15. गौरव,अभिमान-3
17. विष्णु,नारायण-4
20. वाहन,गाड़ी,जहाज-2
21. होशियार,दक्ष-3
23. उचित,सही-3
25. जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26. करिश्मा,करतब-4
29. भर्त्सना,धिक्कार-3
31. गुलाम,परतंत्र-4
32. बेल,लतिका-2
34. आश्चर्य-4
35. नांद,टप-2
37. मग्नता-3
39. मछली-2
40. कुशलपूर्वक,सुरक्षित-4
41. मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे

1. विधेयक,देयक-2
2. विजयादशमी-4
3. जीत,विजय-2
4. जुड़वा-3
5. शव,मृत शरीर-2
6. बंधु,सजातीय,भाई-4
7. एक आंख वाला-2
9. मौजूदा,आधुनिक-4
10. मदमस्त-4
12. धुन,लय,सुर-2
14. इच्छा,कामना-2
16. सुर साधना-3
18. भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19. छुट्टी,अवकाश-2
21. अच्छे कुल का-3
22. भाग्य (अंग्रेजी-2)
24. यम,मृत्यु का देवता-4
25. अपमिश्रण, खोट-4
27. निशा,रात्रि-2
28. कहासुनी,कलह-4
30. तल्ला,पैंदा-2
31. गुलामी,पराश्रित-4
33. शिक्षा(उर्दू-3)
34. अदा करना,चुकाना-2
36. एक सवारी गाड़ी-2
38. झुका हुआ-2
39. दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली -2941 का हल

प	ब	न	कु	मा	र		म	क	ब	रा
ला	न		त		स	ली	का		स	त
य		प	र	वा	ना		न	न		दि
न	का	र	ना			क		म	हा	न
वा		ख		स	ह	ल	ज		ज	
दी	वा	ना	प	न		प	र	व	री	श
	जि		र	स	ले	ना		न		री
ग	ब	न		नी			अ	वा	न्त	र
ज		शा	न		आ	ब	नू	स		र
रा	ज		ज	टा	यु		रू		क	क्ष
ज	ल	च	र		ध	मों	प	दे	श	क

मैं कट्टर हरियाणवी जाट परिवार से हूं, जहां ऐक्टिंग के लिए साफ मना है

टीवी शो बढ़ो बहू, गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा, फियर फैक्टर 6 और वेब सीरीज रूहानियत में नजर आ चुकीं ऐक्ट्रेस कनिका मान अब अपनी फिल्म रक्षक को लेकर खूब चर्चा में हैं। हाल ही में कनिका ने करियर और फिल्म को लेकर बातें की।

कनिका आप जिस परिवेश से आती हैं, आपके लिए ऐक्टिंग की फील्ड में आना कितना चुनौती भरा सफर था?

मुझे लगता है कि जिनके परिवार में कोई फिल्म इंडस्ट्री से नहीं होता उनकी इस इंडस्ट्री में एंट्री किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं होती है। जो पहली बार आता है उसके सामने उतार-चढ़ाव होते ही हैं। मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ, या ये कहें कि मेरे साथ कुछ ज्यादा ही हुआ क्योंकि मेरा परिवार थोड़ा रिजर्व नेचर का रहा है। मैं एक कट्टर हरियाणवी जाट परिवार से आती हूं, जो पानीपत में रहता है। इसलिए मेरे यहां तो ऐक्टिंग में आने के लिए बिलकुल ना ही था। हमारे परिवार में ऐसा था कि अगर घर पर कोई इस बारे में बोल दे तो तुरंत मना हो जाए।

जब आपने पहली बार शूट किया और वो वीडियो परिवार ने देखा तो उस दिन क्या हुआ, उस किस्से के बारे में बताएं?

मैंने पहला जब म्यूजिक वीडियो किया था तब मैं अपने घर में झूठ बोलकर गई थी। मैंने बोला था कि शिमला ट्रिप पर जा रही हूं जबकि मैं पांडिचेरी में वीडियो शूट कर रही थी। मैंने बताया नहीं था और एक दिन मेरे पापा टीवी देख रहे थे तब उन्हें वो वीडियो दिखाई दिया तो वो बोले ये तो हमारी कन्नू (कनिका) है, सब ये ही बोलने लगे अरे नहीं कन्नू नहीं हो सकती। जब पता चला कि मैं ही हूं तो खूब बवाल मचा और फिर काफी समय तक वो बवाल चलता रहा।

आपने जैसे बताया कि आपकी रिजर्व फैमिली है तो अब आपकी सफलता देखकर परिवार की तरफ से कैसे रिएक्शन होता है? आपसे परिवार में जो उम्र में छोटे हैं वो क्या कहते हैं?

अब तो कुछ रिश्तेदारों के फोन आते हैं कि हमारे बेटे को भी देख लो। कभी-कभी कुछ चाची मामियों के फोन भी आते हैं कि हमारे लिए भी देख लो कोई दादी-मामी वाला रोल मिल जाए। ये वाले कॉल्स तो अक्सर आते हैं। कुछ लोग स्ट्रगल को देखकर घबरा जाते हैं। सब कैमरे पर हैपी-हैपी दिखता है लेकिन पीछे बहुत सी कठिनाइयों के बीच कड़ी मेहनत भी होती है। कई बार आप रिजेक्ट हो रहे होते हैं, कई बार 16-16 घंटे आपको काम करना होता है। टीवी शो होते हैं तो आपको 30 दिनों तक सिर्फ काम ही करना होता है, कोई छुट्टी नहीं मिलती है। कई रिश्तेदार ये देखकर बोलते हैं कि हमसे ये नहीं हो पाएगा। लेकिन जब आपकी मेहनत और सफलता को लोग देखते हैं तो सबको खुशी होती है।

आप जब कभी घर जाते हो तो आपकी आसपास की सोसायटी वालों का क्या रिएक्शन होता है?

मैं अब घर कम ही जा पाती हूं। मेरे आने से पहले ही सारे रिश्तेदार वगैरह घर पहुंच जाते हैं। मैं घर कम जाती पाती हूं तो लगता है कि अब अपने परिवार को टाइम ही नहीं दे पा रही हूं। जब घर में होती हूं तो लगता है कि रिश्तेदारों में ही लगी रहती हूं। मैं उनको मिलने के लिए बुला लेती हूं।

लेकिन ऐक्टिंग में अगर आप कामयाब नहीं होतीं तो उसके लिए कोई बी प्लान था आपका?

बिलकुल मेरा भी बी प्लान था। मेरे घरवाले आज इसलिए सपोर्ट कर रहे हैं क्योंकि उन्होंने उससे पहले मेरे लिए जो प्लान बनाया था मैंने वो भी पूरा किया। वो मुझे जज बनते देखना चाहते थे, इसलिए मैंने अपनी लॉ की पढ़ाई पूरी की। अपने शो के दौरान मैंने अपनी मास्टर की डिग्री भी पूरी कर ली। उनको लगा कि ये शो के साथ-साथ अपनी स्टडी भी पूरी कर रही है तो ओके हैं। आप कह सकते हैं कि परिवार ने वो बी प्लान खुद ही जबरदस्ती पूरा करा दिया था। इसलिए वो आज मेरा सपोर्ट कर रहे हैं क्योंकि मैंने उनके प्लान को कभी ना नहीं कहा। ये बहुत मुश्किल था मेरे लिए, क्योंकि मैं सुबह 7 बजे से 2 बजे तक शूट करती थी। फिर उसी दिन एयरपोर्ट पहुंच कर फ्लाइट पकड़ती थी और अपनी परीक्षा देती थी। फिर फ्लाइट पकड़कर अगले दिन मुम्बई आकर नाइट शिफ्ट में काम करती थी, तो ये काफी मुश्किल होता था। लेकिन मैंने कर लिया।

कनिका आपका क्या रोल है?

मैं माला का किरदार अदा कर रही हूं। माला लेफ्टिनेंट त्रिवेणी सिंह की मंगेतर है। उनकी शादी होने वाली है। वो काफी पारिवारिक और घरेलू सी लड़की है। वो प्यार में है और वो सोचती है कि उसकी शादी होगी। वो काफी सुलझी और प्यारी लड़की है, क्योंकि आप एक असल इंसान के रोल को प्ले कर रहे होते हैं।

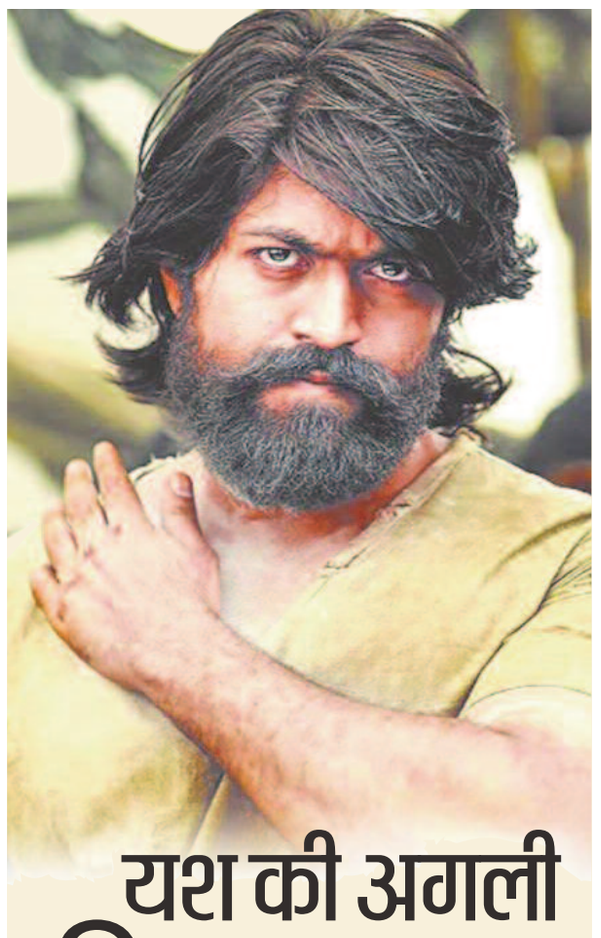

यश की अगली फिल्म ड्रग्स सिंडिकेट पर बेस्ड

कन्नड़ फिल्मों से भारतीय फिल्म इंडस्ट्री को यश के रूप में पैन इंडियन स्टार मिला है। इस फिल्म के दूसरे पार्ट की भी ताबड़तोड़ सफलता के बाद उनके चाहने वालों से लेकर ट्रेड गलियारा तक बेसब्र इंतजार रहा है कि यश की अगली फिल्म कौन सी होगी। इसके मद्देनजर खास जानकारी हासिल हुई है। वो ये कि यश का अगला प्रोजेक्ट गोवा के बैकग्राउंड पर बेस्ड होगा। केजीएफ की तरह ही वो भी पीरियड क्राइम ड्रामा होगी। 60 के दशक में गोवा में जो रशियन और ड्रग्स माफिया की घुसपैठ थी, वो दिखाया जाएगा। वहां यश का किरदार किस तरह रशियन आधिपत्य को चुनौती प्रदान करता है, कहानी इसी बारे में होगी।

यश को पसंद आया फिल्म का प्लॉट

यश के करीबी सूत्रों ने बताया, 'इस फिल्म के डायरेक्टर चन्नस्र की तरह प्रशांत नील नहीं होंगे। उनके बजाय मलयाली फिल्मों से डायरेक्टर को फाइनल किया गया है। उनका नाम लता मेनन है। वे नामचीन फिल्मकार और सिनेमैटोग्राफर राजीव मेनन की पत्नी हैं। गोवा के ड्रग्स माफिया को साउथ में भी कम एक्सप्लोर किया गया है। साथ ही वहां के रशियन माफिया की वहां के राजनीतिक रिश्तों को भी कम उजागर किया जाता रहा है। ऐसे में सब्जेक्ट के तौर पर वो प्लॉट यश को बेहद पसंद आया। उसे वे बड़ी गंभीरता से शुरू करने पर विचार कर रहें हैं।'

100 करोड़ रहेगा फिल्म का बजट

यह भी फिल्म एक्शन थ्रिलर होगी। सोर्सेज ने कहा- इस फिल्म में यश खुद भी एक प्रोड्यूसर के तौर पर हैं। उसे भी 100 करोड़ से ऊपर के बजट पर माउंट किया जा रहा है। यश को फिल्म का प्लॉट इतना पसंद आया है कि वो बाकी प्रोजेक्ट्स को साइडलाइन कर फिलहाल अपना पूरा ध्यान इसी पर लगा रहें हैं। ड्रग्स और रशियन माफिया के साथ साथ वहां जो तब हिप्पी कल्चर की आबोहवा थी, वह सब यहां दिखाया जाएगा।'

अक्षय की स्काईफोर्स के लिए विलेन बने हैं शरद केलकर

अक्षय कुमार अपनी अपकमिंग फिल्म स्काईफोर्स की शूटिंग में जुट गए हैं। फिल्म की कहानी भारत-पाकिस्तान के बीच 1965 में हुई जंग के बैकग्राउंड पर बेस्ड है। फिल्म से जुड़े सूत्रों ने बताया कि फिल्म में अक्षय कुमार के साथ सारा अली खान, निम्रत कौर और वीर पहाड़िया महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंग। वीर को लेकर चर्चा है कि वो कभी सारा के बॉयफ्रेंड रह चुके हैं। दोनों पहली बार स्क्रीन शेयर करेंगे और ज्यादा उम्मीद है कि फिल्म में उन दोनों का रोमांटिक एंगल है। निम्रत और सारा टीम को लखनऊ शेड्यूल से जॉइन करेंगी।

खास बात यह है कि फिल्म में विलेन की भूमिका में शरद केलकर दिखेंगे। माना जा रहा है कि वो यहां पाकिस्तानी सेना के अफसर की भूमिका में होंगें। इससे पहले वो लक्ष्मी में अक्षय कुमार के साथ काम कर चुके हैं। सीतापुर में सेट पर मौजूद रहे सूत्रों ने बताया कि यहां अक्षय हर दिन लखनऊ से अप-डाउन करते थे। उनका चॉपर रोजाना सीतापुर एयर फोर्स बेस पर उतरा करता था। मॉर्निंग शिफ्ट में काम करने के लिए मशहूर अक्षय ने यहां नाइट शिफ्ट में भी काम किया है। कई मौके पर उन्होंने सीतापुर में ही कड़ी सुरक्षा के बीच रात बिताई। अब मिड सितंबर तक टीम लखनऊ में शूटिंग करेगी। इसके बाद पूरी टीम मुंबई लौट आएगी। इसके बाद सितंबर के अंत में सभी लंदन शेड्यूल के लिए रवाना हो जाएंगे।

कुछ समय के लिए आराम करना चाहती थी, इसलिए लिया काम से ब्रेक

एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी को उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली में देवसेना के किरदार के लिए जाना जाता है। अनुष्का ने इस किरदार के जरिए हिंदी बेल्ट की ऑडियंस में अपनी खास पहचान बनाई थी। हालांकि, इसके बावजूद 'बाहुबली' के बाद अनुष्का ने किसी भी पैन इंडिया फिल्म में काम नहीं किया है। अब हाल ही में अनुष्का ने अपने इस फैसले के पीछे की वजह बताई है। एक्ट्रेस ने कहा कि वह कुछ समय के लिए काम से ब्रेक लेना चाहती थीं। अनुष्का ने इंटरव्यू में कहा- 'एक बार जब मैंने बाहुबली पूरी कर ली, तो उसके बाद मेरा ध्यान भागमथी पर था। इसके बाद मैं कुछ समय के लिए रेस्ट लेना चाहती थी। यह फैसला मैंने खुद लिया था। उस समय मुझे ब्रेक लेने की बहुत ज्यादा जरूरत थी।' अनुष्का ने आगे कहा- 'मैंने ये फैसला इसलिए लिया, ताकि मैं अपने फ्यूचर प्रोजेक्ट्स पर अच्छी तरह ध्यान दे सकूं। सच कहूं तो मेरे पास इसका कोई सटीक जवाब नहीं है, लेकिन मैं वाकई कुछ समय के लिए आराम करना चाहती थी। मैंने उस दौरान कोई स्क्रिप्ट नहीं सुनी, लेकिन ब्रेक के बाद अब काम पर वापस लौट आई हूं।'

कोई बेहतरीन प्रोजेक्ट आएगा तो मैं जरूर काम करूंगी

पैन इंडिया और बॉलीवुड फिल्मों के बारे में बात करते हुए अनुष्का ने कहा- 'अगर कोई बेहतरीन प्रोजेक्ट आएगा, तो मैं उसे जरूर करूंगी। चाहे फिर वह कोई भी भाषा हो।' दरअसल अनुष्का 3 साल बाद तेलुगु फिल्म 'मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी' से कमबैक कर रही हैं। बाहुबली- द कन्क्लूजन के बाद जहां प्रभास बॉलीवुड और पैन इंडिया फिल्मों में नजर आ चुके हैं, वहीं अनुष्का ने तेलुगु फिल्म 'भागमथी' और OTT फिल्म 'निशब्दम' में काम किया।

प्रभास के साथ काम करने पर बोलीं अनुष्का

जब अनुष्का से प्रभास के साथ दोबारा काम करने को लेकर सवाल किया गया, तो इसपर उन्होंने कहा कि अगर मेकर्स उन्हें कोई मजबूत कहानी और क्रिएटिव विजन के साथ बनी स्क्रिप्ट ऑफर करते हैं, तो वह साथ में जरूर काम करना चाहेंगीं।

आज भी इंडस्ट्री मेल डॉमिनेटिंग है

शिल्पा शेट्टी का मानना है कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री आज भी मेल डॉमिनेटिंग है। शिल्पा ने कहा कि उन्हें सीरियस फिल्में करना नहीं पसंद। वो ऐसी फिल्मों में काम करना पसंद भी नहीं करती हैं। शिल्पा की अपकमिंग फिल्म सुखी का हाल ही में ट्रेलर रिलीज हुआ। अपनी इसी फिल्म के बारे में उन्होंने खास बातचीत की है। इंडस्ट्री के बदलते दौर पर शिल्पा ने कहा, 'परिवर्तन संसार का नियम है। आपको खुद को हर माहौल में ढ़ालने के लिए तैयार रखना चाहिए, मैंने भी वही किया है। जब मैंने इंडस्ट्री में करियर की शुरुआत की थी तब का दौर अलग था, अब दौर अलग है। 90ह्य और 2000 का सिनेमा अलग था, उस वक्त भी मुझे काम करने में मजा आया और आज भी अच्छा लग रहा है। मैंने खुद को हर माहौल के लिए तैयार करके रखा है।' शिल्पा ने आगे कहा, 'कोई मानें या न मानें लेकिन इंडस्ट्री आज भी मेल डॉमिनेटिंग है। हालांकि, हम एक्ट्रेसेस के लिए ये एक वेलकम चेंज है कि इंडस्ट्री में फीमेल लीड पर फिल्में बनना शुरू हो गई हैं। अब एक्ट्रेसेस को लेकर रिस्क लिया जा रहा है, जो हमारे लिए बहुत बड़ी बात है। दर्शक मुझे देखना चाहते हैं, ये मेरे लिए किसी अचीवमेंट से कम नहीं है।

रील लाइफ से पड़ता है रियल लाइफ में फर्क

शिल्पा का मानना है कि फिल्मों के जरिए हम लोगों को सेल्फ लव, सेल्फ रिस्पेक्ट जैसी बात एंटरटेनमेंट के माध्यम से सिखाने और समझाने में ज्यादा सफल होते हैं। पहले राजकुमार हिरानी ने 3 इडियट के द्वारा सुसाइड के मुद्दे को समझाने का प्रयास किया था, ऐसे ही अब हमारी फिल्म सुखी भी आपको एक अच्छा मैसेज देने आने वाली है।

कार्तिक आर्यन ने मुंबई में खरीदा 10 करोड़ का ऑफिस स्पेस

अमिताभ बच्चन, सारा अली खान, अजय देवगन और काजोल समेत बॉलीवुड के कई सितारों ने हाल ही में मुंबई में ऑफिस स्पेस खरीदा है। अब इस लिस्ट में कार्तिक आर्यन का भी नाम शामिल हो गया है। एक्टर ने हाल ही में मुंबई के ओशिवारा स्थित सिग्नेचर टॉवर में ऑफिस प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट किया है। बड़ी बात यह है कि उन्होंने बिल्डिंग के उसी फ्लोर पर स्पेस परचेज की है जहां दो महीने पहले सारा अली खान ने अपार्टमेंट खरीदा था। रिपोर्ट के मुताबिक 28 फ्लोर की इस बिल्डिंग में कार्तिक ने चौथे फ्लोर पर यूनिट 403 खरीदा है। वहीं सारा यूनिट 402 की मालकिन हैं।

47.55 लाख रुपए की स्टाम्प ड्यूटी चुकाई

4 सितंबर को खरीदी गई इस प्रॉपर्टी की कीमत 10.9 करोड़ रुपए है। कार्तिक ने इस पर 47.55 लाख रुपए की स्टाम्प ड्यूटी भी चुकाई है।सारा ने इसी बिल्डिंग के चौथे फ्लोर पर सारा सुल्तान और अमृता सिंह के नाम पर यूनिट 402 खरीदी है। उनकी यह डील 9 करोड़ रुपए में हुई जिसमें एक्ट्रेस तीन कार पार्किंग स्पेस मिले हैं। 11 जुलाई को हुए इस ट्रांजेक्शन के लिए एक्ट्रेस ने 41.01 लाख की स्टाम्प ड्यूटी चुकाई है।

बिग बी ने खरीदा 30 करोड़ का ऑफिस

इससे पहले 1 सितंबर को अमिताभ बच्चन ने इसी बिल्डिंग के 21वें फ्लोर पर 4 यूनिट स्पेस में इन्वेस्टमेंट किया था। इसमें हर एक यूनिट की कीमत 7.18 करोड़ रुपए है। इसके साथ ही उन्हें 12 कार पार्किंग स्पेस मिलीं। इसके लिए उन्होंने 1.72 करोड़ की स्टाम्प ड्यूटी चुकाई थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011